मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 93
सोमवार, 14 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

महीनों की प्लानिंग, बाबा सिद्दीकी के साथ बेटे को भी मारने की थी साजिश

*** बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे पुलिस को लारेंस बिश्नोई गैंग पर शक**

*** शूटर बाबा के पुत्र जीशान सिद्दीकी से जुड़े स्थानों की भी कर रहे थे रेकी**

मुंबई, 13 अक्टूबर। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी एक महीने से अधिक समय से मुंबई में थे और बाबा व उनके पुत्र जीशान सिद्दीकी से जुड़े विभिन्न स्थानों का रेकी कर रहे थे। सूत्रों का कहना है कि इन शूटर्स को बाबा सिद्दीकी के साथ-साथ जीशान को भी मारने का निर्देश दिया गया था।

मामले की जांच मुंबई पुलिस की वसूली निरोधक शाखा कर रही है। बाबा सिद्दीकी की हत्या में पुलिस ने हरियाणा के गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश के धर्मराज कश्यप को गिरफ्तार किया है। गुरमेल का आपराधिक रिकॉर्ड भी है। तीसरा आरोपी शिवानंद उर्फ शिवकुमार गौतम घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

अधिकारियों का कहना है कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में विभिन्न टीमें भेजी गई हैं। चौथे आरोपी पुणे के स्क्रैप डीलर मोहम्मद जीशान अख्तर की भी तलाश की जा रही है, जो संभवतः तीनों शूटरों का हैंडलर है। तीनों शूटरों की एक तस्वीर भी प्रसारित हो रही है, जो कुछ दिन पहले जुहू समुद्रतट पर ली गई थी।

अधिकारियों के मुताबिक, तीनों शूटरों ने कुर्ला में किराये पर घर लिया था और 10-12 हजार रुपये किराया दे रहे थे। वे बाबा और जीशान के आवास व कार्यालयों समेत उनसे जुड़ी लोकेशन की रेकी के लिए रोज आटो से बांद्रा जाते थे। सूत्रों के मुताबिक, शूटरों ने जिन लोकेशंस

की रेकी की थी, उनके आधार पर पुलिस को संदेह है कि उन्हें जीशान को मारने की सुपारी भी दी गई थी।

वारदात के दिन सिद्दीकी पिता और पुत्र एक ही स्थान पर थे और आरोपियों को इस बारे में पता चल गया था। पुलिस को संदेह है कि अंदर का कोई व्यक्ति पिता-पुत्र के बारे में आरोपियों को जानकारी दे रहा था। इसी वजह से शूटर्स सही समय पर घटनास्थल पर पहुंच गए और 9.00 से 9.15 के बीच में फायरिंग कर दी। जीशान के भी निशाने पर होने की एक और वजह यह है कि बाबा सिद्दीकी उस कार्यालय में नियमित नहीं जाते थे।

वह जीशान के खेरवाड़ी कार्यालय के नजदीक एक गरबा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वहां पहुंचे थे और जीशान के बारे में पूछताछ की थी। उन्हें बताया गया था कि जीशान किसी काम से कुछ मिनट पहले ही निकल गए हैं। बाबा अपनी कार की ओर बढ़ रहे थे तो शूटरों ने आंसू गैस जैसी किसी चीज का इस्तेमाल किया, जिससे धुआं फैल गया था।

इसके बाद शिवानंद ने नौ मिमी की पिस्तौल से बाबा पर छह राउंड फायरिंग की और भाग गया। आरोपियों के पास चिली पाउडर भी था, लेकिन उन्होंने उनका प्रयोग नहीं किया। सभी के पास पिस्तौलें भी थीं, जिससे संदेह होता है कि उनके दूसरे टारगेट भी थे। अधिकारियों ने इस बात पुष्टि की है कि उन्हें ऐसे लिंक मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि गिरफ्तार शूटर्स लारेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैं।

पुलिस कारोबारी प्रतिद्वंदिता के नजरिये से भी मामले की जांच कर रही है। एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट भी प्रसारित हो रही है, जिसे बाद में डिलीट कर दिया गया। इसमें दावा किया गया कि लारेंस बिश्नोई गैंग ने हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। इसमें हत्याकांड की वजह अभिनेता सलमान खान को बताया गया था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी दत्ता नलावड़े ने कहा कि पुलिस इस पोस्ट के विवरण की जांच रही है। पोस्ट करने वाला शुभम लोणकर महाराष्ट्र के अकोला जिले का रहने वाला है। पुलिस उसकी भी छानबीन कर रही है।

बाबा सिद्दीकी की कार उनके पुत्र जीशान के कार्यालय से बमुश्किल 100 मीटर दूर खड़ी थी। शूटर्स उनकी कार के पास खड़े एक टैंपो की पीछे छिपे थे। मां दुर्गा के प्रतिमा विसर्जन जुलूस की वजह से वहां लगभग 50 पुलिसकर्मी भी तैनात थे। वारदात से पांच मिनट पहले ही वरिष्ठ अधिकारी वहां से रवाना हुए थे। सिद्दीकी के एक स्वजन ने बताया कि शूटरों ने गोलियां चलाने से पहले धुआं फैलाने के लिए किसी चीज का इस्तेमाल किया था।

उन्होंने बाबा पर नजदीक से गोलियां चलाईं, जिनमें दो उनके सीने में मारीं। एक गोली वहां धार्मिक जुलूस देखने के लिए खड़े व्यक्ति की टांग में भी लगी। बाबा पर फायरिंग को पुलिसकर्मियों ने पहले पटाखों की आवाज समझा था। बाबा की हत्या के बाद तीनों शूटरों ने पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश की। गुरमेल सिंह वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे की तरफ भागा, लेकिन दो पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया।

शुरूआत में उन्हें लगा था कि वह चोर है। धर्मराज भी उसी दिशा में भागा और पुलिस को चकमा देकर पास के स्कूल की दीवार फांदकर झाड़ियों में छिप गया, लेकिन पुलिस ने उसे भी घेरकर पकड़ लिया। तीसरे शूटर शिवानंद ने चालाकी दिखाई और धार्मिक जुलूस में लोगों के साथ घुल मिल गया। बाद में वह दोनों हाथों में पिस्तौल दिखाकर भाग निकला।

गुरमेल बलजीत सिंह : हरियाणा का रहने वाला है। वह स्कूल ड्रॉपआउट है। 2019 में उसने अपने दोस्त के भाई की हत्या की थी। चार वर्ष जेल में रहने के बाद वह जमानत पर था। उस पर अन्य और भी केस दर्ज हैं। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है।

धर्मराज कश्यप : उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस को उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। उसने दो वर्ष पहले घर छोड़ दिया था और पुणे में रह रहा था। कुछ महीने पहले स्क्रैप डीलर की दुकान पर काम शुरू किया था। होली पर घर गया था और शिवकुमार से मिला था।

शिवकुमार गौतम : उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसका आपराधिक रिकॉर्ड है। पिछले एक वर्ष से पुणे में रह रहा था और स्क्रैप डीलर की दुकान पर काम कर रहा था। वह भी होली पर घर गया था।

मोहम्मद जीशान अख्तर : पुणे में स्क्रैप डीलर है और पंजाब के जालंधर का रहने वाला है। वह सात वर्षों तक जेल में था और सात जून को रिहा हुआ था। बताते हैं कि वह जेल में बिश्नोई गैंग के सदस्यों से मिला था और वहीं बाबा सिद्दीकी को मारने की सुपारी ली थी।

जम्मू और कश्मीर से हटा राष्ट्रपति शासन, सरकार गठन का रास्ता हुआ साफ

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर से रविवार को राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया। इसके बाद से केंद्र शासित प्रदेश में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर के संबंध में 31 अक्टूबर 2019 का आदेश मुख्यमंत्री की नियुक्ति से तुरंत पहले निरस्त हो जाएगा।

हाल में हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने जीत हासिल की है और सरकार गठन की तैयारी चल रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें गठबंधन का नेता चुना गया है। जम्मू-कश्मीर

राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में औपचारिक रूप से विभाजित करने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम- 2019 को संसद ने पांच अगस्त 2019 को पारित किया था। संविधान के अनुच्छेद 370 को भी उसी दिन निरस्त कर दिया गया था। वैसे, 31 अक्टूबर 2019 से पहले भी जम्मू और कश्मीर केंद्रीय शासन के अधीन था, क्योंकि जून 2017 में भाजपा द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने त्यागपत्र दे दिया था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 5000 करोड़ की कोकेन बरामद

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। दिल्ली के महिपालपुर में पकड़ी गई लगभग छह हजार करोड़ रुपये की कोकेन तस्करी के सिंडिकेट का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस नेटवर्क की पड़ताल के बाद दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने संयुक्त अभियान में गुजरात के अंकलेश्वर से 518 किलोग्राम कोकेन बरामद किया है। बाजार में इसकी कीमत पांच हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। एक पखवाड़े के भीतर ड्रग्स की यह तीसरी बड़ी बरामदगी है। इससे पहले पुलिस एक अक्टूबर को महिपालपुर से 562 किलोग्राम और पिछले हफ्ते इसी सिंडिकेट के दिल्ली के रमेश नगर स्थित ठिकाने से 208 किलोग्राम कोकेन बरामद कर चुकी है।

इसके साथ ही महिपालपुर से 10 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना भी बरामद की गई थी। इस तरह इस सिंडिकेट से अब तक 1,289 किलोग्राम कोकेन बरामद की जा चुकी है। इस सिंडिकेट से बरामद कुल ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय कीमत 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है, जो अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी मानी जा रही है। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस सिंडिकेट से जुड़े सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन आरोपियों से पूछताछ के बाद पता चला कि दिल्ली में बरामद कोकेन फार्मा सॉल्यूशन सर्विसेज नाम की कंपनी का था और यह गुजरात के अंकलेश्वर की अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से आया था। दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने अवकार ड्रग्स लिमिटेड के ठिकानों पर छापा मारा, जहां पांच हजार करोड़ रुपये मूल्य की 518 किलोग्राम कोकेन बरामद की गई है। उन्होंने कहा कि इस सिंडिकेट से जुड़ी कड़ियों की बारीकी से जांच की रही है। आने वाले दिनों में कोकेन की और खेप बरामद हो सकती है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, एक अक्टूबर को तुषार गोयल के महिपालपुर स्थित गोदाम से ड्रग्स की बड़ी मात्रा में बरामदगी के तार इतने दूर तक फैले होने का अनुमान नहीं था। लेकिन बरामद ड्रग्स की सप्लाई की कड़ियां जोड़ने के दौरान सिंडिकेट के नेटवर्क से पर्दा उठता गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस सिंडिकेट का सरगना वीरेंद्र बरोया है, जो दुबई में रहकर भारत, नेपाल समेत कई देशों में ड्रग्स की तस्करी का नेटवर्क चलाता है। इसके साथ ही इस सिंडिकेट के तार संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, नेपाल और ब्रिटेन से लेकर दक्षिणी अमेरिकी देशों तक फैले होने के सुबूत मिल रहे हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जिम्मेदारी

मुंबई, 13 अक्टूबर। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के पीछे बिश्नोई गैंग का हाथ होने की संभावना जताई जा रही थी। इस बात की पुष्टि अब खुद बिश्नोई गैंग ने कर दी है। फेसबुक पर साझा किए गए एक पोस्ट में बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जिम्मेदारी ली। इतना ही नहीं गैंग ने अभिनेता सलमान खान को भी धमकी दी है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक सदस्य ने रविवार को फेसबुक पर पोस्ट की, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इसमें लिखा गया है कि ओम, जय श्री राम, जय भारत, मैं जीवन का सार समझता हूं, और धन और शरीर को धूल मानता हूं। मैंने केवल वही किया जो सही था, दोस्ती के कर्तव्य का सम्मान करते हुए। पोस्ट में आगे सलमान खान को धमकी देते हुए गैंग के सदस्य ने लिखा, 'सलमान खान, हम यह युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन आपने हमारे भाई की जान ले ली। आज बाबा सिद्दीकी की शालीनता का पूल बंद हो गया है या एक समय वह दाऊद के साथ मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) के तहत था। उनकी मौत का कारण बॉलीवुड, राजनीति और प्रॉपर्टी डीलिंग में दाऊद और अनुज थापन से उनके संबंध थे।'पोस्ट में आगे लिखा है, 'हमारी किसी से कोई निजी दुश्मनी नहीं है। हालांकि, जो कोई भी सलमान खान या दाऊद गैंग की मदद करता है, उसे तैयार रहना चाहिए। अगर कोई हमारे किसी भाई को मरवाता है, तो हम जवाब देंगे। हम कभी पहले वार नहीं करते। जय श्री राम, जय भारत, शहीदों को सलाम।' बता दें कि पोस्ट के वायरल होने के बाद मुंबई पुलिस ने कहा कि वे इसकी प्रामाणिकता की जांच कर रही है।

नदी में नहाते समय डूब कर एक की मौत, तीन बाल-बाल बचे

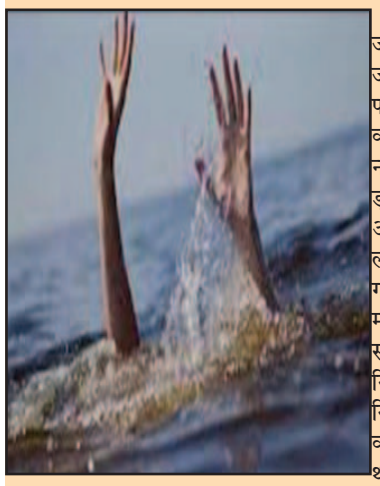

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के जगदीशपुर पम्प कैनाल के पास गोमती नदी में रविवार को दादी की मौत पर घाट नहाने गया पौत्र गोमती नदी में डूब गया। नदी में डूब रहे तीन अन्य किशोरों को वहां मौजूद लोगों ने बचा लिया। शिवपुर गांव निवासी धुरेन्द्र सिंह की माता प्रभावती सिंह पत्नी स्वर्गीय राधेमोहन सिंह का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद घाट नहाने का काम गोमती नदी में हो रहा था।दादी के घाट नहाने 14 वर्षीय नितिन भी जाता था।उसी दौरान नितिन सिंह पुत्र धुरेन्द्र सिंह अपने चार पांच मित्रों के साथ नदी में नहाने लगा।देखते ही देखते उक्त चारों किशोर नदी में डूबने लगे। वहां मौजूद लोगों ने सक्रियता दिखाते हुए तीन किशोरों को बचा लिया। परन्तु नितिन का कही पता नही चल सका।लोग लगातर प्रयास कर रहे है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने गोताखोरों को बुलवाकर नितिन की खोजबीन में लगे हैं।हालांकि अभी तक उसका पता नही चल सका है। कई टीम लगातार प्रयास कर रही हैं। घटना के बाद से परिवार में बज्रपात हो गया। नितिन की माँ घटना के बाद अचेत हो गयी है।

तेलंगाना में दो कांस्टेबल ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में दो सीनियर पुलिसकर्मियों पर लगाए आरोप

हैदराबाद, 13 अक्टूबर। तेलंगाना में अलग-अलग घटनाओं में महबूबाबाद और भद्राद्री कोठागुडम जिलों में तैनात दो पुलिस कांस्टेबल ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सशस्त्र रिजर्व का हेड कांस्टेबल गुडीबोइना श्रीनिवास (59) महबूबाबाद में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) के ह्यस्ट्रांग रूम' में ड्यूटी पर था और उसने रविवार शाम कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। उसने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भद्राद्री कोठागुडेम में कार्यरत पुलिस कांस्टेबल बी सागर ने शनिवार को खम्मम जिले में जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था।

उन्होंने बताया कि सागर की रविवार शाम हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सागर पहले बरगमपहाड़ पुलिस थाने में तैनात था और उसके खिलाफ गांजा तस्करी में मदद के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया था। उसने बताया कि इस साल जनवरी में पकड़े गए एक आरोपी (गांजा तस्कर) ने अपना अपराध स्वीकार करते समय इस कांस्टेबल का नाम लेकर उस पर प्रतिबंधित पदार्थ ले जाने में उसकी मदद करने का आरोप लगाया था।" अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया था और पिछले सप्ताह उसका निलंबन रद्द किया गया। वह मार्च में जेल से रिहा हुआ था। कांस्टेबल ने शनिवार को आरोप लगाया था कि उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने में दो उपनिरीक्षक जिम्मेदार हैं और उन्होंने उसके मोबाइल फोन से गांजा मामले के आरोपियों को 140 से अधिक बार कॉल किया था। कांस्टेबल ने एक ह्यसेल्फी-वीडियो' रिकॉर्ड किया और सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस कथित वीडियो में उसने कहा कि उसे मामले में फंसाया गया है। अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल को पहले खम्मम के एक अस्पताल ले जाया गया और वहां से उसे हैदराबाद के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले की जांच जारी है।

झारखंड के पलामू में मेला देख घर लौट रहीं दो नाबालिगों से गैंगरेप, आरोपी फरार

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में दुर्गा पूजा मेले से घर लौट रही दो नाबालिग लड़कियों के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (छतरपुर) अवध यादव ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को नौडीहा बाजार पुलिस थाना क्षेत्र की है लेकिन रविवार शाम को मामला सामने आया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दलित परिवार की दो लड़कियां शुक्रवार को सरायडीह में नौडीहा पूजा मेले से घर लौट रही थीं, तभी आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया और कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िताओं ने अपने परिवार के सदस्यों को आपबीती सुनाई।

परे भूमि नहिं उठत उठाए, बर करि कृपासिंधु उर लाए

काशी की नाटी इमली भरत मिलाप देखने को उमड़ा आस्थावानों का सैलाब

-सुरेश गांधी

वाराणसी, 13 अक्टूबर। परे भूमि नहिं उठत उठाए, बर करि कृपासिंधु उर लाए। स्यामल गात रोम भए ठाढ़े, नव राजीव नयन जल बाढ़े।। कहते है इस दिन जब सूरज डूबता है तब भगवान का अंश यहां के राम लक्ष्मण में आ जाता है। खासियत यह है कि यहां बनने वाले राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न सप्ताहभर पहले से अन्न सहित अन्य भोग विलासता वाली वस्तुओं का त्याग कर देते है। गंगा स्नान, पूजा-पाठ व फल आदि का ही सेवन करते है। कुछ ऐसे ही परंपरा के बीच रविवार

को धर्म एवं आस्था की नगरी काशी में विश्व प्रसिद्ध नाटी इमली के भरत मिलाप का मंचन बड़े ही धूमधाम से किया गया। आंखों में काजल, माथे पर चंदन, सिर पर लाल पगड़ी में सज-धज युवाओं के बीच गोधूली बेला में जब भगवान राम, लक्ष्ण, भरत व शत्रुघ्न आपस में गले मिले तो इस मनोरम दृश्य देख लोगों की आंखे भर आई। राजा रामचंद्र समेत चारों भाईयों के जयकारे से पूरा परिसर गूंजायमान हो गया। चारों भाईयों के इस पांच मिनट की अलौकिक व मनोरम दृश्य को निहारने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा था। क्या गलियां, क्या दीवारें, क्या घर, क्या छत। जिधर नजर जा रही थी, उधर आस्थावानों का रेला ही रेला। हर तरफ ठसाठस। घंटों इंतजार, मगर क्या मजाल कि कोई किसी को उसके स्थान से इंच भर भी डिगा दे। इस मौके पर हाथी पर सवार काशी नरेश के वंशज कुंवर अनन्त नारायण सिंह के हाथों लीला का शुभारंभ किया गया। प्रभु श्रीराम का रथ खीचने वाले बंधुओं द्वारा जयश्रीराम जयश्रीराम का उद्घोष पूरे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर हो गया। आसपास के घरों की छतों से फूलों की वर्षा होती रही। मैदान में भरत मिलाप एवं राम के राजतिलक प्रसंग की प्रस्तुति दी गई। और जब आया भगवान श्रीराम व भाई भरत के मिलाप का नयनाभिराम दृश्य, भीग उठीं हर किसी की पलकें। श्रीरामचंद्र का जयकारा और आस्था इस कदर परवान चढ़ी पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। पांच मिनट के इस दृश्य को नजरों में साल भर बसा लेने को हर कोई आतुर दिखा। बच्चे, जवान, बूढ़े, महिलाएं सब के सब इस अद्भूत मिलन को एकटक निहारते रहे। इस नयनाभिराम दृश्य को जनसमूह ने तो सजल नेत्रों से देखा ही, परंपरागत ढंग से राज घराने के सदस्यों के साथ 3 गजों (हाथी) पर सवार होकर पहुंचे काशी नरेश महाराज कुंवर अनंत नारायण सिंह ने भी इस अविस्मरणीय दृश्य को अपनी पलकों में कैद किया। यह लीला लगभग 481 वर्ष पुरानी है।

शक्ति-पूजा का पर्व है दशहरा

-रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है।

दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है।

दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारम्परिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं व मैदानों में मेले लगते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है।

महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरू हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारम्परिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं व सिंदूर से खेलती हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। अन्त में देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। मूर्ति विसर्जन यात्रा बड़ी दर्शनीय होती है।

कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। यहां दशहरा बच्चों के लिए शिक्षा या कला संबंधी नया कार्य सीखने के लिए शुभ समय होता है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड ने बैकटपुर में किया एलफोम डिस्पेंसर पंप का शुभारंभ

खुसरूपुर, पटना। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड ने खुसरूपुर स्थित बैकटपुर ग्राम में लिक्विड फर्मेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर (एलफोम) डिस्पेंसर पंप का शुभारंभ किया। साथ ही अपना भू अमृत (खाद एवं एलफोम) लांच किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. एस पी मोहंती के द्वारा किया गया। साथ ही इस मौके पर पटना जिले के 300 से अधिक किसानों के बीच अपना भू अमृत (खाद एवं एलफोम) का वितरण भी किया गया। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. एस पी मोहंती ने कहा कि बैकटपुर में पंप के खुलने से जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा और इस ग्राम के साथ ही आस- पास के क्षेत्रों के किसानों और वितरकों को सीधा फायदा मिलेगा। रासायनिक उर्वरक के दुष्प्रभाव से भूमि की रक्षा होगी। हर्ल वेस्ट टू वेल्थ मिशन की ओर अग्रसर है। वहीं अपने संबोधन में हर्ल के राज्य प्रमुख गीतम सिंह ने कहा कि अपना भू अमृत से फसल की उपज में वृद्धि होती है, मिट्टी की उर्वरकता शक्ति बढ़ती है। साथ ही उत्पादन क्षमता बढ़ती है और लागत कम लगती है जिससे किसानों की आमदनी ज्यादा होती है। दिल्ली मुख्यालय से आए हुए संजय कुमार सिंह ने अपना भू अमृत की विस्तृत जानकारी किसानों के साथ साझा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सावित्री रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (गोबर धन प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी) के संस्थापक एवं सीईओ अतुल कुमार ने बताया कि बैकटपुर में लगे बायोगैस प्लांट से अभी 400 किलोग्राम बायोगैस का उत्पादन हो रहा है।

उत्तरप्रदेश उपचुनाव के सियासी दंगल में मायावती की भूमिका

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी अब चरम पर पहुंच गई है। दरअसल विधानसभा उपचुनाव की चर्चा 4 महीनों से चल रही है जबसे 2024 लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए थे । विधान सभा के जो सदस्य चुन कर लोकसभा में गए उनके खाली स्थानों को को भरने के लिए ये उपचुनाव होने है । अभी उपचुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं हुए है पर कार्यक्रम घोषित होने से पहले ही पार्टियों ने उम्मीदवारों का चयन होना शुरू कर दिया है। इससे सियासी समीकरण भी बनने-बिगड़ने लगे हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन अब बनने के बजाय बिगड़ता दिख रहा है। सपा के 6 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर देने के बाद दोनों पार्टियों का साथ आना मुश्किल लग रहा है। इसके चलते मायावती बड़ा फैक्टर बनता दिखाई दे रही हैं, जो अपनी परंपरा के विपरीत इस बार उपचुनाव में अपने कैंडिडेट उतारने की तैयारी में है। इससे मुकाबला त्रिकोणीय होता दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर उपचुनाव होना है। इनमें गाजियाबाद, मझवां, करहल, कटेहरी, कुंदरकी, मीरापुर, मिल्कीपुर, सीसामऊ, खैर और फूलपुर शामिल हैं। इनमें से 5 सीट पर सपा के विधायक थे और 5 सीट भाजपा व उसके सहयोगी दलों के पास थीं। बसपा ने इनमें से कानपुर की सीसामऊ, अयोध्या की मिल्कीपुर समेत कई सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।

पहले माना जा रहा था कि लोकसभा चुनाव में एकसाथ आई समाजवादी पार्टी और कांग्रेस उपचुनाव में भी मिलकर उतरेंगी, लेकिन 'दो लड़कों' वाला फैक्टर अब खटाई में पड़ता दिखाई दे रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 10 में से 6 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं, जबकि कांग्रेस 5 सीट मांग रही थी। इनमें फूलपुर और मझवां सीट भी हैं, जिन पर कांग्रेस अपने प्रत्याशी उतारना चाह रही थी। सपा कांग्रेस को केवल 2 सीटें देना चाहती है ह्य ऐसे में दोनों पार्टियों का गठबंधन होना अब मुश्किल ही दिखाई दे रहा है। बसपा इस समय अपने वजूद की जंग से गुजर रही है। एकसमय राष्ट्रीय स्तर पर धमक रखने वाली बसपा इस बार लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई है। ऐसे में उनके सामने अपने पार्टी कैडर के बिखरने का खतरा पैदा हो गया है। पार्टी के लगातार कम होते रुतबे के चलते बहुत सारे नेता साथ छोड़कर जा चुके हैं। ऐसे में मायावती उपचुनाव के जरिये अपनी धमक दोबारा सुनाने की कोशिश में है।

बसपा का हाथी एकसमय दलित-मुस्लिम वोटबैंक की बदौलत विपक्षी पार्टियों को रौंदने वाला माना जाता था। हालिया सालों में मायावती पर भाजपा की 'बी-टीम' होने का ठप्पा लगा है, जिससे मुस्लिम वोटर उसकी झोली से छिटककर सपा की तरफ खिसक गया है। साथ ही दलित वोटर्स में भी जाटव समुदाय को छोड़कर बाकी जातियां भाजपा की तरफ खिसक गई हैं। इसका नतीजा ये रहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में बसपा न केवल सीटों के मामले में शून्य पर सिमट गई, बल्कि वोट शेयर भी सिंगल डिजिट में रह गया। इसके चलते बसपा के हाथी की चाल बेहद कमजोर हुई है। भले ही बसपा कमजोर हुई है, लेकिन यूपी में हालिया समीकरणों को देखते हुए बसपा अब भी भाजपा-सपा का गणित बिगाड़ने में सक्षम मानी जा रही है। मायावती के नेतृत्व में सोशल इंजीनियरिंग की बदौलत 2000 के दशक में बसपा को यूपी में सफलता मिली थी। इसमें उसे दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण और पंजाबी वोटर्स का साथ मिला था। इसके अलावा जाट वोटर्स ने भी उसके पक्ष में वोट किया था। हालिया लोकसभा चुनावों से साबित हुआ है कि दलित वोटर्स का मोह भाजपा से भंग हुआ है। लोकसभा में दलित वोटर्स ने कांग्रेस के कारण सपा का साथ दिया था, लेकिन माना जा रहा है कि उपचुनाव में दलित वोटर फिर से बसपा की तरफ लौट सकता है। इसके अलावा सपा के मुस्लिम वोटबैंक में भी बसपा सेंध लगा सकती है। लोकसभा चुनाव में ठाकुर वोटर्स भाजपा से नाराज नजर आए थे। ठाकुर वोटर्स को सपा का साथ भी न बसपा की एंट्री से उपचुनाव की सीधी लड़ाई त्रिकोणीय हो गई है। ऐसे में सपा और भाजपा , दोनों ही दलों के लिए खतरे के साथ संभावनाएं भी बन सकती हैं। जो भी पार्टी अपना वोटबैंक एकजुट रखने में सफल रही, उसके जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। यानि उपचुनाव में कहां किसको जीत मिलती है, ये एक हद तक बसपा के प्रदर्शन पर भी निर्भर करेगा। बसपा किस सीट पर भाजपा और सपा में से किसे डेंट करती है, उस सीट का नतीजा तय करने में ये भी एक डिसाइडिंग फैक्टर साबित हो सकता है। हीं भाया है। ऐसे में यह वोटबैंक भी बसपा में अपना ठौर तलाश सकता है। राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी ने कहा कि हालिया लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद बसपा सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी इंडिया ब्लॉक, दोनों ही के लिए खतरा साबित हो सकती हैं। बसपा उपचुनाव जरूर लड़ रही है लेकिन मुकाबला भाजपा -सपा का ही। मायावती की पार्टी की भूमिका ठोको पॉलिटिक्स वाली हो सकती है। बसपा उपचुनाव में कुछ सीटों पर भाजपा को नुकसान पहुंचाएगी तो कुछ सीटों पर सपा को भी। उसके लिए जाटव तक सीमित हो गए अपने वोट बेस को दलित-मुस्लिम के पुराने शेप में लाने के लिए यही जरूरी है और यही वजह है कि मायावती लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद कभी भाजपा तो कभी सपा पर हमलावर नजर आ रही हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती मानना है कि भाजपा सरकार की नाराजगी का फायदा उप चुनाव में बसपा को जरूर मिलेगा। इसके लिए हमें क्षेत्रों में मजबूती के साथ लगाना होगा। विधानसभा उपचुनाव को देखते हुए थे मायावती संगठन में मामूली फेरबदल भी किया है। साथ ही, भाजपा सरकार व विपक्षी पार्टियों के बीच जनहित व जनकल्याण आदि के ज्वलन्त मुद्दों को लेने की बजाय केवल जातिवादी, साम्प्रदायिक व जाति-बिरादरी पर आधारित संकीर्ण राजनीति करने के कारण इनके विरुद्ध जन विश्वास के अभाव के फलस्वरूप बीएसपी को मुस्तैदी से अपनी पैठ जनता में जमाने पर बल दे रही है व उपचुनाव में इसका लाभ लेने की कोशिश भी कर रही है । मायावती का मानना है कि खासकर गरीबी, बेरोजगारी व मंहगाई आदि की घातक समस्या को दूर करने के लिए सरकार के दावों को अगर मान भी लिया जाए तो यह यूपी की विशाल आबादी के हिसाब से ऊंट के मुंह में जीरा जैसा होगा। ऐसे में इनकी स्थिति सुधरने वाली नही है बल्कि सरकारी नौकरी में भी भारी बैकलाग व्याप्त है।

उनका यह भी मानना है कि यहां के करोड़ों गरीबों, बेरोजगारों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों व अन्य मेहनतकश लोगों को राहत, सुविधा व सुरक्षा की घोर कमी है जबकि हर प्रकार की असुरक्षा, शोषण एवं उत्पीड़न अधिक अर्थात अधिकतर मामलों में सरकारी वादे व दावे कोरे व कागजी है।भाजपा सरकारों में द्वेषपूर्ण व विध्वंसक बुलडोजर राजनीति का मा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देर से ही सही किन्तु उचित संज्ञान लेने से लोगों में थोड़ी राहत।साथ ही एक देश, एक चुनावह्न की व्यवस्था के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय का चुनाव एक साथ कराने वाले प्रस्ताव को केन्द्रीय कैबिनेट द्वारा कल दी गयी मंजूरी पर बीएसपीका स्टैण्ड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी। उनका कहना है कि सहित पूरे देश में महिला असुरक्षा भी चिन्तित करने वाला बहुत बड़ा मुद्दा है, जिसको लेकर भी जातिवादी द्वेष व साम्प्रदायिक पक्षपात आदि की राजनीति और उसी के हिसाब से कानून का इस्तेमाल वास्तव में स्थिति को और भी अधिक गंभीर व तनावपूर्ण बना रहा हैबीएसपी केन्द्र सरकार से देश में राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना करवाके तथा दबे कुचले वर्गों को भी देश के शासन-प्रशासन में समुचित व प्रभावी भागीदारी दिलाने को भी जमीनी हकीकत में बदलवाने का पूरा-पूरा प्रयास करेगी। जिससे मायावती को मत्लागता है कि बिछड़ा मतदाता वापस उनकी ओर आकर्षित होगा ।

बताया जाता है कि बसपा के उपचुनाव में मैदान में आ जाने से अखिलेश यादव के पीडीए फॉमूर्ले का डी यानी दलित वोट का नुकसान सपा को उठाना पड़ सकता है। बसपा की सोशल इंजीनियरिंग भाजपा और सपा, दोनों ही दलों का जातीय समीकरण डिस्टर्ब कर सकती है। हालिया लोकसभा चुनाव में भी ऐसा देखने को मिला जहां बसपा की सोशल इंजीनियरिंग की वजह से दोनों ही गठबंधनों को दर्जनभर से अधिक सीटों पर नुकसान उठाना पड़ा था। गौरतलब है कि बसपा इस बार के उपचुनाव में खाली हाथ मैदान में उतर रही है। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें से कोई भी सीट पार्टी के पास नहीं थी। बसपा 'खोने के लिए कुछ नहीं, जीतने के लिए 10 सीटें' के फॉमूर्ले के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। ये उपचुनाव जिस तरह से सपा-भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गए हैं, वैसी स्थिति बसपा के साथ नहीं है । बसपा के लिए ये उपचुनाव जीत से ज्यादा वजूद की लड़ाई ही माने जा रहे हैं।

और भी हैं दुश्मन समाज के, मुझे ही क्यों जलाते हो?

-सुरेश गांधी

नवरात्रि के बाद दसवां और अंतिम दिन विजयादशमी या दशहरा का होता है- इसका मतलब है कि आपने इन तीनों पर विजय पा ली है। आपने इनमें से किसी के भी आगे घुटने नहीं टेके, आपने हर गुण के आर-पार देखा। आपने हर गुण में भागीदारी निभायी, पर आपने अपना जीवन किसी गुण को समर्पित नहीं किया। आपने सभी गुणों को जीत लिया। ये ही है विजयदशमी है- विजय का दिन। इसका संदेश यह है कि बुराई चाहे जितनी शक्तिशाली हो, अपनी ताकत का कितना भी प्रदर्शन करती हो, लेकिन एक दिन ऐसा जरूर आता है कि वह पराजित होती है। इसलिए हमें अपने अंदर की बुराइयों और बाहर की बुराइयों से लड़ने के लिए दोहरा मोर्चा खोलना चाहिए। क्योंकि अक्सर दूसरों की कमियां नजर आती हैं। अपनी कमी-कभी दिखाई नहीं देती। अपनी कमियों को परास्त करना ही बुराई को खदेड़ना है। या यू कहें जीवन की हर महत्वपूर्ण वस्तु के प्रति अहोभाव और कृतज्ञता का भाव रखने से कामयाबी और विजय प्राप्त होती है। दशहरा आते ही चहुंओर ह्यबुराई पर अच्छाई की जीतह्य गूंजने लगती है। सबके सब बुराई खत्म कर अच्छाई की राह पर चलने के सीख देने लग जाते हैं। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर हर साल ही हम बुराई पर अच्छाई की बात करते है, सबक व प्रण भी लेते हैं। लेकिन बुराई है, जो थमने का नाम नहीं ले रहा। आखिर क्या वजह है कि दशहरे के आने तक बुराई इतनी बढ़ जाती है कि उसे हर साल जलाना पड़ता है। हर साल सप्रयास अच्छाई की विजय दिखानी पड़ती है। जबकि अच्छे को ही जीतता हर कोई देखना चाहता हैं। बुरे की विजय तो शायद ही कोई चाहता हो। देखा जाएं बअगर किसी फिल्म में जब नायक खलनायक को पीटता है, तो सबके सब उसकी विजय की ही कामना में तालियां बजाकर खुश होते हैं। बिल्कुल श्रीराम की विजय की तरह। इसीलिए तो श्रीराम हमारे समाज के सबसे बड़े नायक कहे जाते हैं और रावण बुराई का प्रतीक। लेकिन सवाल फिर वही आता है कि बुराई को खत्म करने के लिए हमें हमेशा किसी महानायक की ही जरूरत क्यों हो। क्या इसे हम नहीं खत्म कर सकेत।

जैसे कि गंदगी हम फैलाएं। अपने घर का कूड़ा चुपके से दूसरे के घर के सामने खिसका दें और फिर स्वच्छता पर एक लंबा भाषण दें। महंगाई का रोना रोएं, मिलावट की बातें करें, दुनियाभर में बढ़ते अपराधों पर चिंता प्रकट करें, बढ़ती हिंसा, बढ़ते अपराध खास तौर से बच्चों, बूढ़ों और स्त्रियों के प्रति। इन्हें होते देखें और सोचें कि हमें इनसे क्या? जब तक कोई मुसीबत दूसरे पर आती है, कोई बढ़ती बुराई हमें प्रभावित नहीं करती, तब तक अक्सर वह हमारे सोच का विषय नहीं बनती। फिरहाल, नवरात्रि और दशहरा ऐसे सांस्कृतिक उत्सव हैं, जो सभी के लिए महत्वपूर्ण और अहम हैं। यह उत्सव चैतन्य के देवी स्वरूप को पूरी तरह से समर्पित है। बंगाल में दशहरा दुर्गा से जुड़ा है तो कर्नाटक में चामुंडी से। इस तरह से अलग-अलग जगहों पर यह अलग-अलग देवियों से जुड़ा है, लेकिन मुख्य रूप से स्त्रीत्व या देवी के बारे में ही है। वैसे भी शक्ति ही सृष्टि का मूल तत्व है- ह्यशक्ति सृजति ब्रह्मांड अदिति शक्ति का प्राचीन वैदिक नाम है और अदितिपुत्र होने के कारण ही सूर्य को ह्यआदित्यह्य कहा जाता है। सृष्टि के लिए अमृत और मृत्यु दोनों ही आवश्यक हैं। दोनों ही शक्ति के रूप हैं। एक में शक्ति का आविर्भाव होता है, तो दूसरे में तिरोभाव होता है। प्रकाश-अप्रकाश, स्थिति-संसार, उदय-अस्त दोनों के सहयोग से बनने वाले चक्र को ह्यभवचक्रह्य और कालचक्र कहा जाता है। उत्तरायण और दक्षिणायण में, चैत्र शुक्ल और आश्विन शुक्ल के दो नवरात्र इसी द्वंद्व के प्रतिनिधि वर्ष हैं। चैत्र नवरात्र में राम का जन्म हुआ था और आश्विन नवरात्र में राम ने रावण पर विजय पायी। ये दोनों पर्व शक्ति-पूजा के पर्व हैं। वैसे भी राम और रावण मात्र दो पौराणिक पात्र नहीं हैं। बल्कि, वे प्रतीक हैं- हमारे भीतर और समाज के मंगल-अमंगल, न्याय-अन्याय, दैवी-दानवी शक्तियों, सद-असद, भलाई-बुराई, कर्म-भोग, त्याग-स्वार्थ, त्याग-संग्रह, संयम-असंयम, धर्म-अधर्म व निर्माण-ध्वंस के। शायद यही वजह भी है बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व मनाने का।

रावण चूंकि बुराई व अत्याचार का प्रतीक था और राम ने न्याय की लड़ाई लड़ी तथा उस पर जीत हासिल की। जबकि रावण समस्त अस्त्र व शस्त्रों से सुसज्जित ही नहीं था, बल्कि उसकी सेना भी चतुरंगिणी थी। वह रथ पर आरुढ़ रहता और उसके पास निजी सुरक्षा के तमाम आयुध व लोग थे। राम के पास सिवाय सत्य के और कुछ भी नहीं था। उनकी सेना बंदरों-भालुओं की थी और वह भी सारे आयुधों से हीन, मगर सत्य ने उनके अंदर निष्ठा और आत्मबल भरा हुआ था। गोस्वामी तुलसीदासजी ने लिखा है- ह्यरावण रथी विरथ रघुबीरा, देखि विभीषण भयो अधीरा।ह्न यानी रावण तो रथ पर सवार था, लेकिन रामचंद्रजी पैदल थे। यह देख कर विभीषण बेचैन हो गया कि भला रामचंद्रजी यह युद्ध कैसे जीतेंगे। लेकिन, सत्य राम की तरफ था और युद्ध राम ही जीते, रावण की पराजय हुई। इसलिए दशहरा यह याद दिलाता है कि जीत सत्य की होती है, असत्य चाहे कितना ही ताकतवर क्यों न दिखे। मोटे तौर पर दशहरा पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है, भले ही इसके रूप अलग-अलग हों। इसका मुख्य सार संदेश यही है कि बुराई पर अच्छाई की जीत ही दशहरा मनाने का मुख्य मकसद है। चाहे उसे राम की रावण पर विजय का प्रतीक बताया जाये अथवा देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय का। नवरात्रि के बाद दसवां और अंतिम दिन विजयादशमी या दशहरा का होता है- इसका मतलब है कि आपने इन तीनों पर विजय पा ली है। आपने इनमें से किसी के भी आगे घुटने नहीं टेके, आपने हर गुण के आर-पार देखा. आपने हर गुण में भागीदारी निभायी, पर आपने अपना जीवन किसी गुण को समर्पित नहीं किया। आपने सभी गुणों को जीत लिया। ये ही विजयदशमी है- विजय का दिन। इसका संदेश यह है कि जीवन की हर महत्वपूर्ण वस्तु के प्रति अहोभाव और कृतज्ञता का भाव रखने से कामयाबी और विजय प्राप्त होती है।

जब भी समाज में किसी को बुरा या बैडमैन बताना होता है, तो उसे रावण ही कहा जाता है। लेकिन लोग भूल जाते है आज समाज में दहेज के दानव सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रहे है। कलयुगी नेताओं की बात की जाएं तो आएं दिन उन पर बलातकार के आरोप लगते रहते है। या यूं कहे लूटपाट, हत्या, बलातकार, आरोप-प्रत्यारोप, दहेज, तीन तलाक हमारे समाज में फैली आज की बुराइयां ही तो हैं। हमें रावणरुपी इन बुराईयों पर भी तो विजय पाना है। रावण ने सीताजी का अपहरण किया तो उसे इसी बात की सजा मिली और हर साल हर एक को याद दिलाते हुए मिलती है कि किसी स्त्री का अपहरण या उसे किसी न किसी तरह से परेशान करना बहुत बड़ी बुराई है। लेकिन यदि हम हर साल जारी होने वाले आंकड़ों पर नजर डालें तो पाएंगे कि ऐसे अपराध बढ़ते ही जाते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है आखिर शहर-शहर, गांव-गांव फैले रावणरुपी इन बुराईयों को कब जलाया जायेगा? रावण की गलतियों का सजा तो मिल चुका है और आगे भी जलाकर दिया जाता रहेगा, लेकिन हमारे समाज के भीतर पनप रहे सामाजिक दुश्मानों को भी तो जलाने की जरुरत है। इन अपराधियों में से बहुत से दशहरा मेला देखने भी जाते ही होंगे। ये वहां मिलती सजा को देखकर भी कुछ क्यों नहीं सीखते. रावण महापंडित और महाज्ञानी था। उसने अपने बल से देवताओं को भी पराजित कर दिया था। लेकिन रावण से एक भूल हो गयी थी। वह अपने बल और ज्ञान के अहंकार में खुद को ही भगवान मान बैठा था और ईश्वर के बनाए नियमों में बदलाव करना चाहता था। यही उसके पतन का कारण बना

रतन टाटा की परिवर्तनकारी नेतृत्व शैली

रतन टाटा की नेतृत्व शैली कॉपोर्रेट जगत में ईमानदारी और नैतिक निर्णय लेने का उदाहरण है

रतन टाटा को आम तौर पर एक उच्च नैतिक व्यवसायी और भारतीय कॉपोर्रेट जगत में एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में माना जाता था। टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने टाटा समूह के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और ईमानदारी, सामाजिक जिम्मेदारी और परोपकार जैसे मूल्यों पर जोर दिया। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह ने स्टील, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया, साथ ही कॉपोर्रेट सामाजिक जिम्मेदारी पहलों पर भी ध्यान केंद्रित किया। हालाँकि, किसी भी प्रमुख व्यक्ति की तरह उन्हें आलोचना और चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। कुछ आलोचक विशिष्ट व्यावसायिक निर्णयों या विवादों की ओर इशारा कर सकते हैं, लेकिन इन्हें अक्सर अनैतिक व्यवहार के प्रतिबिंब के बजाय व्यावसायिक संचालन की जटिल प्रकृति के व्यापक संदर्भ में देखा जाता है। कुल मिलाकर, रतन टाटा को बड़े पैमाने पर एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था, जिन्होंने व्यवसाय में उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखा। टाटा समूह में रतन टाटा का करियर 1962 में शुरू हुआ, जहाँ उन्होंने विभिन्न नेतृत्व भूमिकाओं के माध्यम से अपने काम को आगे बढ़ाया। 1991 में टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति उनके करियर में एक महत्वपूर्ण क्षण था। रतन टाटा के नेतृत्व में, टाटा समूह ने एक उल्लेखनीय परिवर्तन किया, जो ऑटोमोबाइल, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में व्यापक संचालन के साथ एक वैश्विक शक्ति के रूप में विकसित हुआ। उनके कार्यकाल के दौरान उल्लेखनीय मील के पत्थर में जगुआर लैंड रोवर और कोरस स्टील का सफल अधिग्रहण शामिल है, जिसने टाटा समूह के अंतर्राष्ट्रीय पदचिह्न का काफी विस्तार किया। रतन टाटा की रणनीतिक सूझबूझ इस तथ्य में स्पष्ट थी कि समूह का राजस्व 40 गुना और लाभ 50 गुना बढ़ा, जो उनकी असाधारण निष्पादन क्षमताओं और साहसी नेतृत्व को दर्शाता है।

रतन टाटा ने दीर्घकालिक स्थिरता और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को प्राथमिकता देते हुए, वैश्विक मंच पर टाटा समूह को एक नेता के रूप में शामिल किया। उनके उदार नेतृत्व ने नए उद्योगों में विविधता को बढ़ावा दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि समूह तेजी से बदलते बाजार की गतिशीलता के बीच प्रासंगिक बना रहे। टाटा नैनो जैसी परियोजनाओं ने नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्या, जिसका उद्देश्य लाखों लोगों के लिए कार स्वामित्व को सुलभ बनाना था। नेतृत्व के प्रति रतन टाटा के दृष्टिकोण ने संगठन के भीतर उत्कृष्टता और समावेशिता की संस्कृति को बढ़ावा दिया, जो टाटा को एक सम्मानित वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने में मौलिक रहा है। नैतिक नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति उनका समर्पण टाटा समूह के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है, जो समाज पर सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित करता है।

रतन टाटा अपनी ईमानदारी और नैतिक मानकों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध थे, जो हितधारकों के साथ विश्वास बनाने में सहायक रहे हैं। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह ने लगातार पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखी है, जिसका उदाहरण 2008 के वित्तीय संकट के दौरान समय से पहले सरकारी ऋण चुकाने जैसे कार्यों से मिलता है। टाटा का नैतिक नेतृत्व उनके परोपकारी प्रयासों तक फैला हुआ है, विशेष रूप से टाटा ट्रस्ट के माध्यम से, जो सामाजिक कल्याण और सामुदायिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो व्यवसाय में कॉपोर्रेट जिम्मेदारी के महत्व को मजबूत करते हैं। टाटा के नेतृत्व की विशेषता सहानुभूति की गहरी भावना और लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण थी। वे सभी स्तरों पर कर्मचारियों से जुड़ने, टाटा समूह के भीतर अपनेपन और सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे। उनका यह दृष्टिकोण न केवल कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाता है बल्कि खुले संचार और सहयोग को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे नवाचार और उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। टाटा की विनम्रता और मिलनसारिता ने उन्हें कॉपोर्रेट जगत में एक सम्मानित व्यक्ति बना दिया है, जहाँ वे व्यवसाय की सफलता के साथ-साथ अपने कर्मचारियों की भलाई को भी प्राथमिकता देते हैं।

रतन टाटा के नेतृत्व की विशेषता नवाचार और काम करने पर जोर देना था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर रचनात्मकता की संस्कृति को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप टाटा नैनो जैसी ऐतिहासिक परियोजनाएँ सामने आईं, जिसका उद्देश्य भारत में किफायती परिवहन में क्रांति लाना था। जगुआर लैंड रोवर और टेटली जैसे रणनीतिक अधिग्रहणों में उनकी सोची-समझी काम करने की इच्छा स्पष्ट थी, जिसने टाटा को विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित किया। नवाचार पर टाटा का ध्यान नेताओं और उद्यमियों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है।

रतन टाटा परिवर्तनकारी नेतृत्व का उदाहरण हैं, जिसकी विशेषता कर्मचारियों को एक साझा वचन के लिए प्रतिबद्ध करने की उनकी क्षमता है। वे ऐसा माहौल बनाते हैं जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करता है, व्यक्तियों को अपनी ज़िम्मेदारियों का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाता है। टाटा के वचन और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता ने टाटा समूह को एक अग्रणी वैश्विक इकाई में बदल दिया है, जो संगठनात्मक सफलता पर प्रभावी नेतृत्व के प्रभाव को दशार्ता है। टाटा की नेतृत्व शैली स्वाभाविक रूप से सहयोगात्मक थी, सभी स्तरों पर कर्मचारियों से इनपुट और फीडबैक को महत्व देती थी। वे बेहतर निर्णय लेने और परिणाम प्राप्त करने के लिए विविध दृष्टिकोणों का उपयोग करने में विश्वास करते हैं। उनका सहयोगात्मक दृष्टिकोण न केवल टीम सामंजस्य में सुधार करता है बल्कि संगठन के भीतर समावेशिता और साझा स्वामित्व की संस्कृति भी विकसित करता है। चुनौतियों का सामना करने और रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हितधारकों के साथ जुड़ने और सहयोग को बढ़ावा देने की रतन टाटा की क्षमता महत्वपूर्ण थी।

विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में रतन टाटा का लचीलापन उनके नेतृत्व की एक परिभाषित विशेषता थी। अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने आर्थिक मंदी और तीव्र प्रतिस्पर्धा सहित कई चुनौतियों का सामना किया है। ह्वास की रणनीतिक दूरदर्शिता और अनुकूलनशीलता ने उन्हें इन कठिनाइयों को प्रभावी ढंग से पार करने में सक्षम बनाया है, जिससे उन्हें टाटा समूह के दीर्घकालिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कठिन निर्णय लेने में मदद मिली है। चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ रहने की पिताजी की क्षमता महत्वाकांक्षी नेताओं के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो नेतृत्व में लचीलेपन के महत्व को उजागर करती है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

नागपुर से न्यूगो की ऐतिहासिक कश्मीर से कन्याकुमारी तक की इलेक्ट्रिक बस यात्रा को दिखाया हरी झंडी

मुंबई। ग्रीनसेल मोबिलिटी के इलेक्ट्रिक बस ब्रांड न्यूगो ने ऐतिहासिक कश्मीर से कन्याकुमारी इलेक्ट्रिक बस अभियान की शुरूआत की है। यह यात्रा भारत में पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अभियान के साथ, न्यूगो दुनिया का पहला इलेक्ट्रिक बस ब्रांड बनने जा रहा है, जो यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करेगा। न्यूगो का लक्ष्य समुद्र तल से 3,500 फीट ऊपर से लेकर कन्याकुमारी के समुद्र तट तक 4,000 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करना है। इस बस यात्रा के दौरान 200 से ज्यादा शहरों और कस्बों से गुजरते हुए, न्यूगो न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बनेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास का संदेश भी फैलाएगी। यात्रा के दौरान कई सार्थक गतिविधियां जैसे स्टूडेंट वर्कशॉप, वृक्षारोपण अभियान, सफाई कार्यक्रम, और सुरक्षा-थीम वाले नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे। यह यात्रा सही मायनों में ई-बस जो अच्छा करती है की भावना को जीवंत करेगी। न्यूगो की ए-K2K इलेक्ट्रिक बस के वेस्टर्न लेग (पश्चिमी भारत से गुजरने वाले हिस्से) को भारत सरकार के माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर से हरी झंडी दिखाई।

प्रेरणा रास दांडिया नवरात्रोत्सव 2024 समारोह संपन्न

मुंबई। युवक प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा मनोज कोटक (पुर्व सांसद) के मार्गदर्शन में प्रेरणा रास 2024 का भव्य आयोजन कालीदास ग्राउंड,मुलुंड प.पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उप मुख्य मंत्री देवेन्द्र फडनवीस, मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा, महासचिव सुनील गंगवानी, डॉ.बाबुलाल सिंह (वरिष्ठ कांग्रेस नेता), डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन मुंबई), शरीफ खान (अध्यक्ष समता हाकर्स युनियन) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथीयों का सत्कार जय माता दी अंगवस्त्रम एवम स्मृति चिन्ह प्रदान कर मनोज कोटक (पुर्व सांसद), केतन कोटक ने सत्कार किया। दांडिया रास में हजारों युवक युवतियों ने हिस्सा लेकर लगातार नवरात्रोत्सव पर्व नौ दिनों तक मनाया।

अम्बे माता शक्ति धाम में आयोजित नवरात्रोत्सव कार्यक्रम हवन व भंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के उमरोली (प.)अंतर्गत बीरवाड़ी गांव में जांभुल पाड़ा रोड पर स्थित अम्बे माता शक्ति धाम में आयोजित नवरात्रोत्सव बड़े धूमधाम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।अम्बे माता शक्ति धाम के प्रांगण में महंत पंडित संतोष महाराज जी के द्वारा 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक नवचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस महायज्ञ में मां अम्बे जी के सैकड़ों भक्त शामिल होकर अपने मनोवांक्षित फल प्राप्ति की कामना करते हुए यज्ञ में आहुतियां डालीं। सभी की मनोकामना पूरी करने वाली मां अम्बे जी के दरबार में नौ दिनों तक लगातार भक्तों तांता लगा रहा। अम्बे माता शक्ति धाम में आयोजित नौ दिवसीय नवरात्रोत्सव कार्यक्रम शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को महाप्रसाद रूपी भंडारे के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अम्बे माता शक्ति धाम में अपनी हाजिरी लगाते हुए महाप्रसाद ग्रहण किये और अम्बे माता शक्ति धाम के महंत पंडित संतोष महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए विदा लिये।

राकांपा की ओर से कैंसर मरीजों को अन्नदान किया गया

मुंबई। मुंबई जिल्हा बँक के उपाध्यक्ष, व राकांपा दक्षिण मध्य-मुंबई जिल्हाध्यक्ष समाजरत्न सिद्धार्थदादा टी.कांबळे के जन्मदिवस के अवसर पर चांदिवली तालुका अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टाटा कॅन्सर हॉस्पिटल के पास अन्नदान करने कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके अलावा कैंसर से पीड़ित मरीजों की समस्या एंव उनके समाधान करने का भी पूर्ण प्रयास करने का निश्चय किया गया।इस अवसर पर चांदिवली राष्ट्रवादी परिवार के प्रशांत बारामती (जिल्हाध्यक्ष सामाजिक विभाग)असलम शेख जिल्हासचिव,संतोष गवळी(162 वार्ड अध्यक्ष)सचिन वाकोडे(तालुका अध्यक्ष सामाजिक),आलोक राय युवा समाजसेवक व आनंद मार्ग युनिव्हर्सल रिलिफ टीम की दादी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

हिंदुत्व के लिए बीजेपी को सहयोग देने के लिए डोंबिवली में 250 सार्वजनिक मंडलों का फैसला

मंडल के दो हजार पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का मेलावा

डोंबिवली, कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में विभिन्न सामाजिक संगठनों और सार्वजनिक मंडलों ने हिंदुत्व के लिए भाजपा का साथ देने का फैसला किया। लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण की पहल पर रविवार को संत सावलाराम क्रीडा में तमाम पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने मिलकर विचार व्यक्त किये. मंत्री चव्हाण ने कहा कि मेरे हाथों को मजबूत करने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है , सभी ने रवींद्र चव्हाण आगे बढ़ो हम तुम्हारे साथ हैं का नारा लगाया।। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को आगे ले जाने में सक्षम नेता हैं और उन्होंने दुनिया भर में भारत का नाम रोशन किया है। भावुक चव्हाण ने कहा कि राज्य में महायुति सरकार चुनने के लिए सभी का समर्थन महत्वपूर्ण है। मंत्री चव्हाण ने रविवार को बीजेपी के 143 विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकताओं समेत बैठक भी की, जिसमें 4000 कार्यकर्ता भी शामिल हुए. सभा का समापन संत सावलाराम क्रीड़ा में नमो रामो डांडिया रास उत्सव पेंडोल में हुआ। उस समय जिलाधिकारी नाना सूर्यवंशी, पूर्व नगरसेवक मंदार हल्बे, राहुल दामले, मुकुंद पेडणेकर, संदीप पुराणिक, शैलेश धात्रक, विकास म्हात्रे, खुशबू चौधरी, मंदार तवरे, साई शेलार, शशिकांत कांबले, नंदू परब, विनोद कलां, राजन अबाले, समीर चिटनीस, विश्वदीप पवार, राजू शेख, नीलेश म्हात्रे, पूनम पाटिल एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। चुनाव के लिए कैसे काम करना है, प्रचार कैसे फैलाना है और किन मुद्दों को मतदाताओं तक ले जाना है, इस पर मंत्री चव्हाण ने मार्गदर्शन दिया. उस समय भी उपस्थित लोग जय श्री राम, वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे के साथ सभा कक्ष से बाहर निकले।

कॉमनवेल्थ ताइक्वांडो युनियन मे उपाध्यक्ष के रूप में नामदेव शिरगांवकर की हुई नियुक्ति

मुंबई। वर्ल्ड ताइक्वांडो की देखरेख में हाल ही में दक्षिण कोरिया में कॉमनवेल्थ ताइक्वांडो संघ के चुनाव हुए। इस चुनाव में दुनिया भर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया. भारत की ओर से नामदेव शिरगांवकर ने भाग लिया। शिरगांवकर को कॉमनवेल्थ तायक्वादो युनियन के उपाध्यक्ष पद के लिये नियुक्त किया गया है। नामदेव शिरगांवकर भारत ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं और उनके मार्गदर्शन में अब तक महिला एथलीट को पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो बार चुना गया है और हाल ही में दक्षिण कोरिया में आयोजित जूनियर विश्व ताइक्वांडो कुरोगी चैंपियनशिप में भारत को दो कांस्य पदक मिले हैं। . इस प्रकार, भारत को बेहतर गुणवत्ता वाले प्लेटफॉर्म प्राप्त करने में उनके मार्गदर्शन से लाभ हुआ है। सिद्धकला ताइक्वांडो मास्टर मुख्य कोच जयेश वेल्हाळ ने उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनके आगामी उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

आदियोगा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में महिलाओं से विधायक की अपील

आदियोगा से जुड़ी शहर की तमाम महिलाएं ले रहीं हैं स्वास्थ लाभ

उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। कैंप 3 में स्थित अयप्पा मंदिर के हॉल में आदियोगा फाउंडेशन द्वारा वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमे शहर के विधायक कुमार आयलानी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूवात की। आदियोगा फाउंडेशन की अध्यक्षा बिंदु नांबियार के द्वारा शहर में तमाम जगहों पर योग शिविर चलाया जाता है जिसमे शहर की तमाम महिलाएं खासकर दक्षिण भारत मूल की निवासी महिलाओं की संख्या बहुतायत है। कार्यक्रम के दौरान योग के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधायक कुमार आयलानी ने योग की खूबियों के बारे में बताया तथा सभी को योग के माध्यम से हमेशा स्वस्थ रहने की सलाह दी। इसके बाद उपस्थित महिलाओं से लाड़की बहन योजना का लाभ लेने की अपील की और जिन्होंने अब तक फॉर्म नही भरा है उन्हें आमदार कार्यालय में पहुँचकर फॉर्म भरने की सलाह दी।

इस दौरान बिंदु नांबियार, जयश्री थावानी, मनीषा भवानी, वृंदा नांबियार, सुरेश नायर, रंजीत नांबियार समेत तमाम आदियोगा फाउंडेशन के सदस्य व पदाधिकारियों के साथ ही योग विद्यार्थी मौजूद थे। बिंदु नांबियार ने इस दौरान विधायक कुमार आयलानी के बारे में कहा कि योग के प्रति यह हमेशा संवेदनशील रहे हैं और शहर में योग के विभिन्न कार्यक्रम के आयोजनों के साथ ही इसे बढ़ावा देने के लिए हमेशा उपस्थित होकर सभी योग प्रेमियों को उत्साहित करते हैं।

प्राचीन श्री मरालेश्वर मंदिर का होगा कायापलट, पर्यटन स्थल घोषित करने के लिए होगा प्रयास

उल्हासनगर, कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण मुरबाड रोड़ पर उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत म्हारल गांव है यहाँ पर एक पुरातन शिव मंदिर है जिसका नाम श्रीमरालेश्वर है जिसके नाम पर इस गांव का नाम म्हारल पड़ा। इस मंदिर के कायापलट का बीड़ा शहर के विधायक कुमार आयलानी द्वारा उठाया गया है और सबसे पहले यहां पर मंदिर परिसर में चहारदीवारी (बाउंड्री वाल) तथा लादी बिछाने का काम शुरू करने के काम का उनके द्वारा शनिवार को भूमिपूजन किया गया। विधायक कुमार आयलानी शनिवार को इस मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे और मंदिर के बारे में ग्रामीणों द्वारा बताए गए इतिहास से काफी प्रभावित हुए। मरालेश्वर मंदिर के छोटे शिवलिंग व नंदी का उल्लेख शिवलीलामृत के दूसरे अध्याय व्याध व हिरण की कहानी में मिलता है। मंदिर परिसर में ही एक समाधि है जिसे विट्ठलनाथ नारायण जी का बताया जाता है जिस पर 1939 की तारीख का भी उल्लेख है और उससे तमाम वर्षों पूर्व का यह मंदिर है। विधायक कुमार आयलानी के द्वारा किए जा रहे कार्य को लेकर उपस्थित महिलाओं व पुरुषों ने उनका आभार व्यक्त किया। आमदार कुमार आयलानी ने मंदिर परिसर का भ्रमण करने के पश्चात कहा कि वह इसे एक पर्यटन स्थल के रूप में बनाने की पूरी कोशिश करेंगे तथा परिसर का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि यह स्थान अब दुर्लक्षित नही होगा इसके लिए वह पूरी ताकत से काम करेंगे।

मौलाना आर्थिक विकास महामंडल का बजट बढ़ाने पर महाराष्ट्र सरकार का आभार : एसएम खान

मुंबई। महाराष्ट्र महायुमहायुती सरकार द्वारा मौलाना आर्थिक विकास महामंडल का बजट 700 करोड़ से बढ़ाकर 1000 तथा मदरसे में पढ़ाने वाले शिक्षकों का तनख्वाह 6000 से बढ़ाकर 16000 किए जाने पर आज महाराष्ट्र अल्पसंख्यक विभाग के महाराष्ट्र उपाध्यक्ष एसएम खान ने महायुती सरकार विशेषकर देवेंद्र फणनवीस, महाराष्ट्र अध्यक्ष चंद्रकांत बावनकुले, मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार, महाराष्ट्र माइनॉरिटी के प्रभारी संजय केनेकर का आभार प्रकट करते हुए कहा कि कांग्रेस मुसलमानों को हमेशा बर्गलाकर भारतीय जनता पार्टी को बदनाम करने की हमेशा साजिश रचती आ रही है। जबकी भारतीय जनता पार्टी महायुती की सरकार हमेशा सभी जाति धर्म को एक साथ लेकर चलने का कार्य किया है। एसएम खान ने कहा कि भारत को प्रेम करने वाले देश के सभी मुसलमान भाइयों से मेरा हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि अभी भी आप सब कांग्रेस की साजिशो को समझिए और उनके चंगुल से बाहर निकलिए। महायुती सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर चलिए ताकि आने वाले भविष्य में आपके बच्चों का उज्जवल फ्यूचर बनसके। कांग्रेस पार्टी हमेशा हिंदू मुस्लिम में दरार डालने का प्रयास की है। आज मौलाना आर्थिक विकास महामंडल 700 करोड़ से बढ़ाकर 1000 करोड़ सालिना किए जाने के उपरांत वर्षा बंगले पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फणनवीस से मुलाकात कर बुके देकर इस अच्छे पहल के लिए माइनॉरिटी समाज के तरफ से उनका श्री खान ने आभार प्रकट किया।

जिला परिषद विद्यालय मनिवली में शैक्षणिक सामग्री का हुआ वितरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद विद्यालय मनिवली में भूषण हरिभाऊ पाटील (बी ई सिविल) के प्रयासों से और रोटरी क्लब ऑफ डोंबिवली फीनिक्स के सहयोग से विद्यालय में स्मार्ट टीवी, कंप्यूटर सेट और साउंड सिस्टम जैसी स्कूली सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता शहापुर विधानसभा के विधायक दौलत दरोडा ने की। वहीं स्व.राघो पदु पाटील के नाम पर वर्ष 1972 में स्कूल को दान की गई साइट की आधारशिला का अनावरण गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। इस मौके पर दौलत दरोडा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भले ही आप सभी को सामाजिक भागीदारी के माध्यम से शैक्षणिक सुविधाएं मिली हैं, खूब पढ़ाई करें। दौलत दरोडा ने कई वर्षों से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रहे भूषण पाटील की सराहना की और रोटरी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल कल्याण समिति सभापति रोहिणी शेलार, उपाध्यक्ष शिवा सांबरे, वाडा पंचायत समिति के उपाध्यक्ष जगदीश पाटील, सभापति रघुनाथ माली, प्र. समूह शिक्षा अधिकारी जयवंत कामडी, रोटरी अध्यक्ष संतोष पाटील, सचिन खूटाल, महेश खरोटे, माने सर, भूषण पाटील, स्कूल प्रबंधन समिति की अध्यक्षा निशा ठाकरे और सदस्य, ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर मूर्तिकार आशीष सालवी का विधायक के हाथों सत्कार किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य गोरखनाथ सोलुंके, सह-शिक्षक श्रीपत राठौड़ और स्कूल प्रबंधन समिति का विशेष योगदान रहा।

रतन टाटा गरीबों के सच्चे मसीहा थे: गोविंद भाई परमार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। टाटा समूह के प्रमुख पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन से पूरे देश के औद्योगिक सामाजिक क्षेत्र की बड़ी हानि हुई है। इसके साथ ही देश ने एक अमूल्य धरोहर खो दिया।रतन टाटा एक व्यक्ति नहीं बल्कि गरीबों के सच्चे मसीहा थे। जिन्होंने देशवासियों को उद्योग के क्षेत्र में प्रेरित किया। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने इन शब्दों में दिवंगत रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। पद्म विभूषण रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए गोविंद भाई परमार ने कहा कि आज हमारे देश में बड़े बड़े उद्योगपति हैं जो कि बिजनेस में सिर्फ अपना मुनाफा कमा रहे हैं किंतु रतन टाटा इन सबसे परे थे। उन्होंने उद्योग के क्षेत्र में अपने देश का नाम रोशन किया । उन्होंने अपनी आय का 65 प्रतिशत हिस्सा लगातार देश के गरीब लोगों के कल्याण के लिए दान किया। गरीबों के सच्चे अर्थों में मसीहा रतन टाटा को मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाना चाहिए यही सच्चे अर्थों में रतन टाटा की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ऐसी मांग अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने केंद्र सरकार से की है।

कोलगांव में नमो ग्राम सचिवालय के भवन निर्माण हेतु किया गया भूमिपूजन

-अजीत सिंह

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के कोलगांव ग्राम पंचायत अंतर्गत पालघर बोईसर रोड, गणपति मंदिर के पास में शुक्रवार 11अक्टूबर को सुबह 11.00 बजे ₹ग्राम सचिवालय कोलगांव₹ कार्यालय के लिए भूमि पूजन जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम की अध्यक्षता में सांसद डॉ. हेमन्त सावरा के हाथों किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ जिला परिषद पालघर भानुदास पालवे, गट विकास अधिकारी नरेंद्र रेवंडकर, उ.प.कार्यकारी अधिकारी चन्द्रशेखर जगताप, जिला योजना समिति सदस्य कुन्दन संखे, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा वैदेही वाढाण, पूर्व कृषि सभापति अशोक वडे, पंचायत समिति सभापति शैला कोलेकर, जिला परिषद सदस्या वैशाली करबट, वंजारी समाज अध्यक्ष नरोत्तम पाटील, कोलगाँव ग्रामपंचायत सरपंच कृणाल चंद्रकांत पाटील, उपसरपंच किरण मुकुंद संखे, ग्राम पंचायत अधिकारी जितेंद्र पवार व ग्राम पंचायत सदस्य योगेश पाटील, नैनीता पाटील, दिलीप कोलेकर, दर्शना सुतार, सुरेखा कोलेकर, शबीना मनिहार, कांचन जगताप, नितेश गोवारी, तंटा मुक्ति अध्यक्ष मेहुल पाटील, पोलिस पाटील चिरंतन संखे, कर्मचारी धनेश पाटील, ऑपरेटर आरती राठौड़ के अलावा कई सरकारी अधिकारी, राजनीतिक नेता, ग्रामीण उपस्थित थे। केंद्र सरकार की योजना ₹नमो ग्राम सचिवालय अभियान₹ के तहत 55/- लाख रुपये के बजट वाली इस परियोजना के लिए 30 गुंठा जमीन स्वीकृत किया गया है जिसमें सचिवालय भवन निर्माण किया जायेगा। इसके साथ ही तलाठी और सर्कल कार्यालयों के लिए अतिरिक्त स्थान भी स्वीकृत किया गया है। अतः ग्राम स्तर से ऊपर के सभी शासकीय कार्यालय कोलगांव में एक ही परिसर में उपलब्ध होंगे।खास बात यह है कि यह महाराष्ट्र का दूसरा ग्राम सचिवालय है जिसे केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित अभियान ₹नमो ग्राम सचिवालय अभियान₹ में अब तक मंजूरी दी गई है। कोलगांव ग्राम पंचायत द्वारा इस प्रकार के कार्य के लिए सरपंच कृणाल पाटील, उपसरपंच किरण संखे, सभी सदस्य, ग्राम अधिकारी पवार, साथ ही सभी राजनीतिक नेता और सरकारी अधिकारी जिन्होंने सहयोग किया । उन सभी अधिकारियों एवं ग्रामवासियों, वरिष्ठ नागरिकों, बहनों, माताओं के विशेष मार्गदर्शन हेतु मेहुल पाटील ने आभार व्यक्त किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

गोवर्धन पूजा व दीपावली स्नेह सम्मेलन को लेकर यादव समाज भिवंडी की विशेष सभा का आयोजन

-आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी । यादव समाज भिवंडी द्वारा 3 नवंबर को होने वाले गोवर्धन पूजा व दीपावली स्नेह सम्मेलन की रूपरेखा को लेकर विशेष सभा का आयोजन शिवराम नगर कामतघर स्थित राधा कृष्णा विद्यालय पर संपन्न की गयी । बतादें कि यादव समाज भिवंडी द्वारा विद्यालय प्रांगण में इस प्रकार का यह पहला कार्यक्रम हो रहा है जिसे भव्यता से आयोजित करने के लिये समाज के लोगों द्वारा एकजुटता व सहमति देखी गयी है । इस विशेष सभा की अध्यक्षता यादव समाज भिवंडी के अध्यक्ष डाक्टर एन एल यादव ने किया । वहीं इस सभा में सर्व सम्मति से मंगेश यादव को कार्यक्रम नियोजन समिति का अध्यक्ष चुना गया है । उक्त अवसर पर समाजसेवक पी डी यादव , हीरालाल यादव , मनोज यादव , चंद्रभान यादव , चंद्रिका यादव , डा. प्रेमचंद यादव , डा. बृजेश यादव , डा. उत्तमचंद यादव , डा. आदित्य यादव , लल्लन यादव , सुनीता यादव , रमेश यादव , अवधनारायण यादव , पवन यादव , जितेन्द्र यादव , आचार्य सूरजपाल यादव , संतलाल यादव , जितेन्द्र यादव आदि लोग उपस्थित थे ।

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

बन्द घर को चोरों ने खंगाल कर पुलिस को दी खुली चुनौती

समेटा पचास हजार का सामान, हुए नौ दो ग्यारह

निशानाथ संवाददाता

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इन दिनों खेतासराय में चोरी की घटना से क्षेत्र में बाढ़ सी आई है इस क्रम में चोरों ने क्षेत्र के पोरई कलाँ गाँव में आनंद कुमार सिंह के बंद घर को निशाना बना दिया यहाँ कमरों का ताला तोड़कर लगभग पचास हजार रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर दिया। उक्त गाँव निवासी आनंद सिंह निजी काम से दो सप्ताह के लिए मुम्बई चले गए थे। इसी दौरान घर में ताला बंद था जिससे चोरों ने मौका देख इसे निशाना बनाते हुए बन्द घर को खंगाल डाला। भुक्तभोगी जब शनिवार की रात्रि अपने घर पहुँचा तो घर के टूटे ताले और खुले दरवाजे देख स्तब्ध रह गया। पीड़ित के अनुसार घर में लगभग तीस किलो चावल, चार गद्दा, रजाई, पीतल का एक कलश, चार परात और थार, दो बड़ा सिलेंडर, एक मेट्रोमैक्स कुछ नये कपड़े, एक बड़ा ब्रीफकेस आदि उठा ले गए जिसकी कीतम लगभग 50 हजार के अंदर बताई जा रही है। घटना के सम्बंध में भुक्तभोगी ने पुलिस को सूचना दे दी है मौके पर पहुँची पुलिस मामले की छानबीन कर वापस लौट गई है। मौके पर पहुँची फोरेंसिक टीम ने भी आवश्यक जाँच पड़ताल किया।इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह का कहना है कि शीघ्र ही घटना का पर्दाफाश होगा।

समाज को दिशा देने में मीडिया का अहम योगदान: धर्मेंद्र

जय माँ विंध्यवासिनी दुर्गा पूजा समिति ने दो दर्जन पत्रकारों को किया सम्मानित

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बा खेतासराय के पुरानी बाजार में सजने वाला भव्य पंडाल द्वारा क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले दो दर्जन पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के खेतासराय मण्डल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा,जिला मंत्री रविन्द्र सिंह राजू दादा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि करंजाकला सुनील यादव मम्मन, मण्डल अध्यक्ष करंजाकला राजकेशर पाल व भाजपा नेता कृष्ण कुमार जायसवाल मुन्नू रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष बृजनाथ जायसवाल ने सभी अतिथियों का चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस दौरान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए धर्मेंद्र मिश्रा ने कहा कि जय माँ विंध्यवासिनी दुर्गा पूजा समिति जिले में अपना एक स्थान रखती है। यह पंडाल देश की सनातन और संस्कृति को आगे बढ़ा रही है। इस तरह के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने पत्रकारों की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकार देश के चौथे स्तम्भ है। हम सबको इनका सम्मान और सहयोग करना चाहिए। इसके अलावा कार्यक्रम में उक्त अतिथियों ने सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में पत्रकार राममूर्ति यादव, आनंद सिंह, अजीम सिद्दीकी, श्यामचन्द यादव, विवेक श्रीवास्तव, डॉ. सूरेश कुमार, मोनू श्रीवास्तव, राकेश शर्मा, जय प्रकाश साहू, अजफल खान, मनीष यादव, जय प्रकाश गुप्ता समेत दो दर्जन पत्रकारों को मेमोंटों देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के संरक्षक मनीष कुमार गुप्ता ने आगन्तुको के प्रति आभर व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था लगातार तीन वर्षों से पत्रकार बंधुओं का सम्मानित करने का काम करती चली आ रही है और आगे भी करती रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्यारेमोहन श्रीवास्तव, कपूरचंद जायसवाल, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, संजय विश्वकर्मा, शांतिभूषण मिश्रा, डॉ. अमलेंद्र गुप्ता, धर्मचंद गुप्ता, अशोक यादव, शनि गुप्ता, पप्पू पटवा, सूरज सोनी, आशीष गुप्ता, राकेश गुप्ता समेत आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हरिओम बरनवाल ने किया।

राजकीय शिक्षक संघ जौनपुर के अध्यक्ष बने विनय यादव

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश ने जौनपुर में संगठन कार्यकारिणी का गुरुवार को मनोयन पदाधिकारियों की घोषणा की है। प्रांतीय अध्यक्ष सुनील कुमार भड़ाना एवं महामंत्री डॉ रविभूषण ने बताया कि राजकीय हाई स्कूल पसेवा, मुफ्तीगंज में कार्यरत विनय कुमार यादव को जौनपुर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिसमें तीन लोगों को वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्रमशः रविश कुमार पटेल, रीतू चौबे तथा मनोज कुमार को स्थान दिया गया है। वही संगठन मंत्री सुनील कुमार विश्वकर्मा व सरिता विमल, जिला महामंत्री सुनील कुमार,संस्कृति मंत्री दिनेश चंद्रा व अनीता रत्ना, कोषा अध्यक्ष पंकज यादव, विधि मंत्री पवन गुप्ता तथा संरक्षक प्रधानाचार्य को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में माँ दुर्गा शक्ति की मूर्तियों का विसर्जन घाट पर 150 से अधिक प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र के कुशल नेतृत्व में माँ दुर्गा शक्ति माता मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम के दौरान विसर्जन घाट पर नगर अंतर्गत लगभग 150 से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन मां दुर्गा महासमिति जिला जौनपुर के सहयोग से शांतिपूर्वक तथा हर्षोल्लास के साथ पुर्ण कराया गया। इसके साथ ही आज प्रातः काल जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने पुलिस अधीक्षक डॉ० अजय पाल शर्मा, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, उपजिलाधिकारी सदर पवन सिंह, ई०ओ० नगरपालिका पवन कुमार तथा अन्य अधिकारियों के साथ नगर स्थित सद्भावना पुल पर विजय दशमी के पावन पर्व पर माँ दुर्गा महासमिति जिला जौनपुर द्वारा आयोजित माँ दुर्गा शक्ति माता मूर्ति विसर्जन/माता की भव्य विदाई कार्यक्रम का समिति के पदाधिकारियों इन्द्रभान सिंह इंदु निखलेश सिंह, मनीष गुप्ता, शोभनाथ आर्य, महेश्वरी आदि समस्त सम्मानित सदस्यों के सहयोग से सफलता पूर्वक आयोजन कराया गया। इस दौरान माँ भगवती की आराधना भी की गयी।

व्यापार मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर जिलाधिकारी ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विजय दशमी के पावन पर्व के अवसर पर शनिवार सायं नगर स्थित कोतवाली चौराहे पर व्यापार मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा श्री दुर्गा पूजा महासमिति के समस्त सम्मानित पदाधिकारियों, आयोजकों तथा अन्य सभी सहयोगियों को दुर्गा पूजा, मूर्ति-विसर्जन तथा विजय दशमी के समस्त कार्यक्रमों को शांतिपूर्वक, सौहार्दपूर्वक तथा दिव्य एवं गरिमामयी रूप से संपन्न कराने हेतु बधाई दी गयी।

इस अवसर पर समस्त जनपदवासियों को भी विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनायें दी गयी। इसके साथ ही शनिवार को सायं काल विजय दशमी के पावन पर्व के अवसर पर नगर स्थित अहियापुर मोड़ से पुलिस अधीक्षक के साथ जनपद की श्री दुर्गा पूजा महासमिति की परंपरा के अनुसार मूर्ति-विसर्जन शोभा यात्रा को विधि-विधान के साथ नारियल फोड़ कर तथा झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

वाराणसी के राजघाट पुल से युवक ने गंगा में लगाई छलांग

डॉ.एस.के.मिश्र, ज़िला संवाददाता वाराणसी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के राजघाट स्थित मालवीय पुल से शनिवार को 25 वर्षीय युवक बबलू यादव ने गंगा नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। बबलू यादव, अलीनगर थाना क्षेत्र के खजूर गांव का निवासी था। इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया हैं। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। राहगीरों ने घटना के तुरंत बाद किला कोहना पुलिस बूथ पर पहुंचकर पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही आदमपुर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। इस बीच, जब बबलू के परिजन युवक को तलाशते हुए मालवीय पुल पर पहुंचे, तो उन्होंने पुल पर बबलू की मोटरसाइकिल खड़ी पाई। पुल के नीचे मौजूद मांझियों ने बताया कि उन्होंने एक युवक को पुल से कूदते हुए देखा था। परिजन और परिचित पहले से ही बबलू की तलाश कर रहे थे। क्योंकि वह सुबह घर से टहलने के लिए निकला था और दोपहर तक वापस नहीं लौटा। बबलू यादव दो भाइयों में छोटा था और पेशे से मजदूर था। उसकी अचानक हुई इस घटना से परिवार सदमे में है। परिजन युवक की मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित थे। लेकिन इस तरह की किसी घटना की आशंका नहीं थी। खोजबीन में गोताखोरों ने की मदद घटना के बाद, आदमपुर पुलिस ने गोताखोरों की टीम के साथ मिलकर गंगा नदी में युवक की तलाश शुरू कर दी। हालांकि, देर शाम तक बबलू का कोई सुराग नहीं मिला था। पुलिस और गोताखोरों का दल रात तक युवक की तलाश में जुटा रहा, लेकिन उसका शव नहीं मिल पाया था। मालवीय पुल से कूदकर बबलू यादव की आत्महत्या की इस घटना ने स्थानीय लोगों और परिवार के बीच गहरा दुख और चिंता पैदा कर दी है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है कि युवक ने आत्महत्या का कदम क्यों उठाया और क्या वह किसी मानसिक तनाव से गुजर रहा था। पुलिस और प्रशासन की टीम मृतक के परिवार की मदद कर रही है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। समाज में आत्महत्या रोकने के प्रयासों की आवश्यकता यह घटना हमें एहसास दिलाती है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समाज और प्रशासन को मिलकर आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। परिवार और दोस्तों के बीच संवाद बढ़ाना और समय पर पेशेवर मदद लेना बेहद जरूरी है।

आत्महत्या की घटना से इलाके में मची सनसनी

जौनपुर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा नईगंज गोली काण्ड वांछित गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 389/24 धारा 109/61(2) बीएनएस के वांछित अभियुक्त आशीष यादव पुत्र बांकेलाल यादव निवासी सिपाह थाना कोतवाली जनपद जौनपुर को मुखबिर की सूचना पर सद्भावना पुल विसर्जन घाट जौनपुर से दिनांक 13.10.2024 को समय 12.05 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया जहा से जिला कारागार भेज दिया गया गिरफ्तार अभियुक्त 1. आशीष यादव पुत्र बांकेलाल यादव निवासी सिपाह थाना कोतवाली जनपद जौनपुर उम्र 26 वर्ष। आपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0 389/24 धारा 109/61(2) बीएनएस थाना कोतवाली जनपद जौनपुर। 2. मु0अ0सं0 181/23 धारा 323/504/506 भादवि थाना कोतवाली जौनपुर। 3. मु0अ0सं0 216/23 धारा 147/323/342/ 504/506 भादवि थाना कोतवाली जौनपुर। 4. मु0अ0सं0 260/21 धारा 504/506 भादवि थाना कोतवाली जौनपुर। 5. मु0अ0सं0 377/23 धारा 323/504/506 भादवि थाना लाइन बाजार जौनपुर।

बदलापुर पुलिस ने 24 घण्टे के अन्दर लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा 24 घण्टे के अन्दर लूट की घटना का अनावरण करते हुए 2 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से लूट का 10300 रू0 व 06 अदद देशी बम बरामद। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शैलेन्द्र कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) के दिशा निर्देशन एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी बदलापुर, आयुष श्रीवास्तव के कुशल पर्यवेक्षण में बदलापुर पुलिस टीम द्वारा प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 रामसुन्दर मौर्या मय हमराह का0 अरविन्द प्रजापति, का0 अशोक यादव का0 संतोष यादव व उ0नि0 शेषनाथ सिंह , का0अनिल कुमार सिंह, हे0का0 राममिलन सिंह, हे0का0 कपिल पासवान के द्वारा 02 अभियुक्तगण 1. अमीर खान पुत्र औरंगजेब खान निवासी ढेमा थाना बदलापुर जौनपुर उम्र करीब 22 वर्ष तथा 2.भानू गौतम पुत्र राकेश गौतम निवासी पट्टीदयाल थाना बदलापुर जौनपुर उम्र करीब 22 वर्ष को लूट का 10300 रुपया व 06 अदद देशी सुतली बम के साथ दिनांक 12.10.24 को समय करीब 12.15 बजे कठार पोखरा के पास स्थित झाड़िया के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। आपराधिक इतिहास, 1- अमीर खान पुत्र औरंगजेब खान निवासी ढेमा थाना बदलापुर जौनपुर उम्र करीब 22 मु0अ0सं0 004/23 धारा 507 भादवि थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर।, मु0अ0सं0 0234/24 धारा 323/325/ 504/ 506 भादवि थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 2. अभियुक्त भानू गौतम पुत्र राकेश गौतम नि0 पट्टीदयाल थाना बदलापुर जौनपुर। 1. मु0अ0सं0 0365/21 धारा 307/34 भादवि थाना बदलापुर, जौनपुर (पुलिस मुठभेड़)। 2. मु0अ0सं0 0367/21 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 3. मु0अ0सं0 207/21 धारा 120बी/392/411 भादवि थाना महाराजगंज जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण 1. 10300 रूपया व 06 अदद देशी सुतली बम।

दो बाइक की टक्कर में दो की मौत, महिला समेत चार घायल, परिजनों में मचा कोहराम

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के आजाद रेलवे क्रॉसिंग के पर शनिवार रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दूसरे घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दो बाइक की आमने सामने हुई भीषण टक्कर से हुए हादसे में दो महिला समेत चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक आजाद रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित किंग पैलेस के सामने शनिवार रात दो मोटर साइकिल आपस में टकरा गई। एक बाइक पर अरंद निवासी मनीष, अपने दोस्तों शोले और नीतीश के साथ तेजी से जा रहा था। सामने से आ रही बाइक पर सीमा, ममता और प्यारेलाल सवार थे। दोनों बाइक की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक पर सवार छह लोग बुरी तरह घायल होकर अचेत हो गए। घटना की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। भारी संख्या में ग्रामीण और परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे रहे। हादसे की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां डॉक्टरों ने शोले (20) पुत्र जगजीवन को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने मनीष को गंभीर हालत में तत्काल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मनीष की भी मौत हो गई। बाकी घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली प्रभारी रोहित मिश्रा ने बताया कि मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एनडीआरएफ बचाव कर्मियों ने दोहराई प्रतिबद्धता 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

वाराणसी।(उत्तरशक्ति)। 13 अक्टूबर को एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों ने 'स्वच्छता ही सेवा मिशन-2024' कार्यक्रम के अंतर्गत बेनीपुर चौराहा, पहाड़िया तथा आसपास के सार्वजनिक स्थानों पर नगर निगम वाराणसी के साथ मिल के एक व्यापक स्वछता अभियान चला कर सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई करके जन जागरूकता तथा जनसहभागिता का संदेश दिया। इस आभियान में एनडीआरएफ बचावकर्मियों ने नगर निगम के कार्मिकों के साथ बैनर तथा स्लोगन के माध्यम से घरों से निकलने वाले गीले कूड़े, सूखे कूड़े तथा अन्य अवशिष्ट पदार्थों के सही शोधन की जानकारी जन सामान्य को देने का प्रयास किया। विदित हो की श्री मनोज कुमार शर्मा, उपमहानिरीक्षक के दिशा निर्देशन में एनडीआरफ के बचाव कार्मिकों के द्वारा बड़े ही उत्साह से प्रदेश के अलग अलग स्थानों जैसे वाराणसी, गोरखपुर प्रयागराज तथा लखनऊ में इस प्रकार का अभियान लगातार चलाया जा रहा हैं। इस प्रकार के अयोजन का मुख्य उद्देश्य देश भर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है।

जहां महिलाओं का होगा सम्मान वहा रमन करेगे देवता: विद्याधर त्रिपाठी मन्नू गुरु

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल के प्रसिद्ध शक्तपीठ शीतला चौकियां धाम में इस वर्ष भी शीतला जी महरानी पुरोहित परिवार ट्रस्ट के ट्रस्टी विद्याधर त्रिपाठी ऊर्फ मन्नू गुरु की अध्यक्षता और उनकी पत्नी ट्रस्टी सदस्य मनोज कुमारी की देखरेख में नवरात्रि की नवमी को 151 कन्याओं का पूजन और भोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़े पैमाने पर हवन और पूजन विधि विधान से किया गया। सभी कन्याओं को चुनरी आदि के साथ साथ जरूरत की वस्तुओं को भी उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम दोपहर से देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर विद्याधर त्रिपाठी उर्फ मन्नू गुरु ने कहा कि वेदों में कहां गया है कि जहां महिलाओं की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। ट्रस्ट द्वारा वर्षों से कन्या पूजन नवरात्रि के मौके पर किया जा रहा है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों को पाठ्य पुस्तक, ड्रेस भोजन आदि का नियमित वितरणकिया जा रहा है। मानव सेवा ही माधव सेवा है। इस काम में सभी को आगे बढ़कर भाग लेना चाहिए। इस मौके पर डॉक्टर कृतिका त्रिपाठी, अमित शुक्ला, अजय पांडे, अनुश्रुति त्रिपाठी, श्वेता पांडे, प्रज्ञा शुक्ला, आदर्श त्रिपाठी, सुरेश शुक्ला, कृष्णा पांडे, उग्रसेन दुबे, सरोज दुबे, नुतन उपाध्याय,सुरज शुक्ला, देश चन्द त्रिपाठी, राधारमण तिवारी आदि उपस्थित रहे।

समता, समानता और बंधुत्व की बात करते थे डा.राम मनोहर लोहिया: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में नगर के मियांपुर मंगलम लॉन में समाजवादी नेता प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डा.राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में मनाई गई। उक्त अवसर पर सर्वप्रथम सपाजनों ने डॉ.राम मनोहर लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात उपस्थित सापजनों ने उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। गोष्ठी आयोजित कर उनके विचारों, कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर चर्चा की गई।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि डॉ.राम मनोहर लोहिया गरीबों,शोषितों, मजलूमों और किसानों का असली हक दिलाने के हमेशा पक्षधर रहे। जरूरत पड़ने पर अपने दल-पार्टी या सत्ता के खिलाफ भी आंदोलन करने से पीछे नहीं हटते थे। कहा आज देश में बढ़ रहे राजनीतिक विकृतीकरण, छल छद्म की राजनीति को समाप्त करने के लिए पुनः ऐसे महापुरूषों की जरूरत है। उन्होंने इंदिरा गांधी के खिलाफ आंदोलन कर देश में संपूर्ण क्रांति ला कर सत्ता परिवर्तन किया था। डॉ राम मनोहर लोहिया सदैव समता, समानता और बंधुत्व की बात करते थे। पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव लड़ाई पूर्व एमएलसी ललन प्रसाद यादव ने कहा कि आज वर्तमान में केंद्र में प्रदेश में सामंती पूंजीवादी तानाशाह सरकार को हटाने के लिए डॉ राम मनोहर लोहिया के मार्ग पर चलने की जरूरत है।

गोष्ठी को पूर्व प्रमुख रामचंद्र यादव, वरिष्ठ नेता रुखसार अहमद, राजकुमार बिंद, प्रदेश सचिवगण क्रमशः हिसामुद्दीन शाह, राजेश विश्वकर्मा, सुशील दुबे, पूर्व प्रदेश सचिव कलीम अहमद, राहुल त्रिपाठी, अल्पसंख्यक सभा की प्रदेश सचिव डा. शबनम नाज ज़िला उपाध्यक्ष गण क्रमशः महेंद्र प्रताप यादव, श्यामबहादुर पाल, इरशाद मंसूरी, राहुल यादव, जिलासचिव गण क्रमशः निजामुद्दीन अंसारी, उमाशंकर पाल, गामा सोनकर, दीनानाथ सिंह, नैपाल यादव, सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्याम नारायण बिंद, माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा धर्मेंद्र यादव,विधानसभा अध्यक्ष गण वीरेंद्र यादव सदर, राम अकबाल यादव मुंगरा, सयुस जिलाध्यक्ष अशोक नायक, यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष गुड्डू सोनकर, शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष ईश्वर लाल यादव, डा. अमित यादव, धर्मेंद्र चौरसिया, डा शिवजीत यादव, हरिश्चंद्र प्रभाकर, रमाकांत यादव, ऋषि यादव एडवोकेट, कैलाश प्रजापति, शिवप्रकाश गिरि एडवोकेट, विवेक यादव ने संबोधित किया। संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। उक्त अवसर पर गुलाब यादव रीठी, कमाल आजमी, अल्मास सिद्दीकी, सुनील वासुदेव, कृष्ण कुमार यादव, डा. अमित यादव, धीरज बिंद, संदीप बिंद, धर्मेंद्र सोनकर, पंडित जितेंद शर्मा, हर्षित यादव, चिंतामणि यादव, अनिल यादव, दिनेश यादव फौजी सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे।

रतन टाटा को दी गयी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय उद्योग जगत के महान उद्योगपति स्वर्गीय रतन टाटा को शिराज-ए-हिन्द सहयोग फाउंडेशन जौनपुर द्वारा मां शारदा डिजिटल लाइब्रेरी जौनपुर में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी एमडी सिराजुद्दीन 'शिराज' ने कहा रतन टाटा के निधन से भारत को एक बड़ा नुकसान हुआ है। हमने भारत के अनमोल रतन को खो दिया। फाउंडेशन के सदस्य लाल चंद चौरसिया ने कहा टाटा जी ने भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया टाटा जी की कमी को कोई पूरा नहीं कर सकता। फाउंडेशन के सदस्य राज यादव ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि टाटा जी की विसारत को सदियों तक याद की जायेगी। आसरा द होप ट्रस्ट के अध्यक्ष शिराज अहमद अपने विचार में कहा कि भारत के एक औद्योगिक युग का अंत हुआ। टाटा जी ने समाज के लिए असीम योगदान दिया है। इसी क्रम में कौशल यादव ने कहा की टाटा जी को देश तब तक याद करता रहेगा जब तक देश मे लोहा चलता रहेगा। पंकज चौरसिया ने कहा की टाटा जी को जब जब कैंसर जैसी बीमारी का प्रकोप रहेगा टाटा जी याद आते रहेगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में संदीप सिंह, आनंद यादव अधिवक्ता, गौरव, आर्यन सिद्दीकी, शुभम यादव, अवनीश यादव, राहुल यादव,आकाश गोंड, सुनील कुमार, रंजीत कुमार, एमडी नदीम, सचिन यादव, राज कुमार यादव, अमित सिंह, मनोज यादव, बिट्टू यादव आदि लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

नवरात्रा समापन पर हुआ कार्यक्रताओं का सम्मान

चिराना। निकटवर्ती ग्राम पंचायत रामपुरा में कुमावत सेवा समिति द्वारा नवरात्रि महोत्सव 2024 पूरे नो दिन परवान पर रहा। यहां हर दिन देवी देवताओं की झांकियां निकाली गई साथ में ही लघु नाटक,नृत्य प्रतियोगित,धार्मिक अंताक्षरी सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। शनिवार को हुए समापन के दौरान नवरात्रि की शाम मां दुर्गा की महाआरती में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।मां के जयकारे से पूरा पांडाल गुंजायमान रहा। समापन के अवसर पर समाजसेवी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओ का सम्मान मां अम्बे का दुप्पटा पहनाकर, व प्रशस्ति पत्र भेंट कर किया। सम्मान की इस बेला में जितेंद्र उर्फ पिंटू कुमावत, सुनील मारवाल, सुरेंद्र, रोहिताश मारवाल, ललित मारवाल, अशोक कुमावत सहित भारी संख्या में मातृशक्ति व श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

रामलीला मे संकल्प पत्रिका का विमोचन

आदेश कुमार मिश्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामलीला उत्सव समिति विक्रोली पार्कसाईट द्वारा आयोजित रामलीला के मंचन शनिवार को अहिरावण वध के साथ रिमोट कंट्रोल आधुनिक तकनीक से रावण के पुतले का दहन किया गया। तत्पश्चात अतिथि के रुप मे मंच पर उपस्थित घाटकोपर के विधायक राम कदम, इनकम टैक्स डिप्टी कमिश्नर कुलदीप द्विवेदी का समिति प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल, अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल के द्वारा स्वागत हुआ। समिति का विख्यात मुख पत्र संकल्प पत्रिका का विधायक के हांथों विमोचन किया गया। दशहरा मेला विजय दशमी भरत विलाप, श्रीरामराज्याविषेक और राजा हरिश्चंद्र नाटक मंचित किया गया। समिति के माध्यम से इसी मंच पर बच्चों के द्वारा 'बेटी पढ़ी पर बच नही पारही है। अब समय आगया है बेटों को पढ़ाओ और बेटियां बचाओ इसके माध्यम से जगरूकता अभियान पेश किया गया। इस मौके पर प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल, समिति अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल, दिवाकर मिश्र, दलजीत पांडेय, आदेश कुमार मिश्र, राजेश सिंह, बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, रत्नेश शुक्ल, दीनानाथ सिंह, अरुण मिश्र, मनिकेश तिवारी, अवधेश तिवारी, सर्वदेव पांडेय, बाबुलनाथ तिवारी, दिनेश सिंह, संदीप शुक्ल, प्रशांत शुक्ल, सचिन शुक्ल, राजन सिंह, चंद्रेश दुबे, हरीश पांडेय,संतोष पाठक, शुभम सिंह, एड पंकज मिश्र, देवेंद्र प्रताप सिंह प्रथम शुक्ल, विमलेश पांडेय, प्रदीप मिश्र, चंद्रमणि सिंह, रामतीर्थ शर्मा, ब्रम्हदेव दुबे, राजेश पांडेय, चौरसिया, प्रेम तिवारी, अशोक गुप्ता, सुशील वर्मा सहित समिति के तमाम लोग उपस्थित रहे।

श्रीमद् देवी भागवत कथा संपन्न

बदलापुर, कल्याण। नवरात्रि के पावन अवसर पर दशहरा के दिन गांव देवी मंदिर बदलापुर ईस्ट में विगत 9 दिन से चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा का विराम दिवस बहुत ही भव्य तरीके से मनाया गया तथा बहुत ही भव्य भंडारा और बैंड बाजे के नाचते गाते माता रानी की मूर्ति का विसर्जन किया गया। काशी से आए हुए पूज्य गुरुदेव भगवान विगत 9 दिन से व्यास पीठ पर कथा वचन कर रहे थे और उनके संगत में भजन गायक हिमांशु गिरी भी शामिल थे। समस्त कार्य क्रम के आयोजक ध्यानचंद पांडेय गुडिया, पांडेय अंकित पांडेय के संयोजकता मे तथा सहयोगी सर्वेश मिश्रा, आशिष पांडेय, लक्ष्मी मिश्रा, अश्विनी राय, राम लोलारक पांडेय, महेश बिंद सहित कई अन्य गण मान्य लोगों ने आयोजन को सफल बनाने मे लगे रहे।

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने कहा-सनातन का अर्थ साइंस है

-मनोज सिंह

मुंबई। ''राष्ट्रचिंतन'' समय की मांग विषय पर पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने कालीदास नाट्य मंदिर के आडिटोरियम में अपने विचार रखे, सनातन धर्म ही राष्ट्र धर्म है। पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि सनातन का अर्थ साइंस है। इसमें धर्म का तात्पर्य माता-पिता, गुरु आदि धर्म से है। जातियां कर्म प्रधान थीं। करीब एक हजार सालों में इसे तोड़-मरोड़ा गया। हजारों साल पहले ऋषि-मुनियों ने जो बातें धर्मग्रंथ, वेद, पुराण, उपनिषदों में कहीं थीं, अब नासा उसे सही ठहरा रहा है। पृथ्वी से चांद तक की दूरी, धार्मिक प्रतीकों की वैज्ञानिक अवधारणा है। जिस कालखंड में यह जानकारियां दी गईं उस दौरान अगर लोगों को सीधे-सीधे समझाते तो शायद वह माना नहीं जाता। इसलिए उन्होंने इसे प्रतीकों से जोड़ा। पूजा-पाठ से जोड़ा। नई पीढ़ी को बचाना है तो सच बताना होगा। पुष्पेंद्र ने कहा कि हिंदुओं के पास संभलने के लिए अब वक्त कम है। आने वाली पीढ़ियों को बचाना है तो नई पीढ़ी को सच बताना ही होगा। उन्हें संविधान की अवधारणा, देश की आजादी के पीछे का षड्यंत्र, महात्मा गांधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू की कूटनीति, हिंदुओं को धर्म से भटकाने की साजिश आदि का सच बताना होगा। देश किसके हाथों में सुरक्षित है, इसे पहचानने की क्षमता पीढ़ियों को देनी होगी ताकि देश की बागडोर सही हाथों में रहे।

किसानों ने लिया पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प

सुल्तानपुर(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम और जल संरक्षण अभियान से प्रेरित होकर ग्रामीणों किसानों ने पर्यावरण सुरक्षा व जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए जगह जगह वृक्षारोपण किया। रजवाड़े रामपुर के ग्राम प्रधान हरेंद्र प्रताप सिंह की प्रेरणा और मार्ग दर्शन में हरित ग्राम यात्रा अभियान शुरू किया गया । जगह जगह बुजुर्ग तथा महिलाओं समेत बच्चो ने इसमें हिस्सा लिया। पर्यावरण को समर्पित राष्ट्रीय पत्रिका हरित जीवन के उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ मुमताज अली के अनुसार ग्राम प्रधान हरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पर्यावरण जन जागरण मुहिम हर ग्राम सभा में चलनी चाहिए। स्कूलों, मैदानों और तालाबों के इर्दगिर्द वृक्ष लगाकर पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए आम जनता को आगे आना चाहिए। इसकी शुरूआत सुल्तानपुर के रजवाड़े रामपुर ग्राम सभा से हुई है। इस अभियान के तहत हरित ग्राम हरितजीवन का उद्देश्य पूरा करके अपने प्रदेश को हर भरा किया जाएगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान हरेंद्र प्रताप सिंह, धर्मेंद्र पांडे, संजय यादव, शिवम पांडे , विनोद सिंह ,पत्रकार मुमताज अली इत्यादि मौजूद रहे।'

बिसमिता ज्वैल्स क्रिएशन को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मोस्ट क्रिएटिव ज्वैलरी ब्रांड के अवार्ड से किया सम्मानित

ठाणे। ठाणे के प्रसिद्ध ज्वैलरी डिजाइनर और परंपरागत ढंग से ज्वैलरी डिजाइन करने वाले, बिसमिता ज्वैल्स क्रिएशन के संस्थापक बिस्वनाथ सांत्रा को उनकी उत्कृष्ट डिजाइनिंग के लिए पुरुस्कृत किया गया है। उन्हें यह पुरुस्कार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक रंगारंग समारोह में प्रदान किया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 11 अक्टूबर की शाम को ठाणे में चल रहे दुर्गा पूजा के समारोह में यह पुरुस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर ठाणे के पूर्व विधायक और शिवसेना नेता रवींद्र फाटक भी उपस्थित थे। इसके साथ ही, सांत्रा को इस वर्ष संकल्प प्रतिष्ठान ठाणे के दुर्गा पूजा पंडाल में माता के ज्वैलरी

डिजाइनिंग का उत्तरदायित्व दिया गया है। दुर्गा माता के श्रृंगार के लिए प्रयुक्त किए जाने वाली ज्वैलरी जैसे मुकुट, चुड़ियां, गले के हार (नेकलेस) और उनके कान में पहनाए जाने वाली समस्त ज्वैलरी की डिजाइनिंग श्री सांत्रा करेंगे। सांत्रा पश्चिम बंगाल के निवासी हैं और उनकी डिजाइनिंग की एक लंबी यात्रा है। बचपन से ही उन्हें डिजाइनिंग का शौक था वे डाक्टर नहीं बनना चाहते थे और न ही अपने पारिवारिक व्यवसाय को लेकर उनके मन में किसी प्रकार की रूचि थी। वे ज्वैलरी डिजाइनिंग के क्षेत्र में जाकर ऐसी ज्वैलरी डिजाइन करना चाहते थे जिससे कोई भी मूर्ति जीवंत हो सके। मात्र 365 रूपए जेब में लेकर वे वर्ष 1993 में मुंबई के लिए रवाना हो गए थे, यह वही साल था जब पूरी मुंबई बम के धमाकों से गूंज उठी थी। उनकी मेहनत, विश्वास और दृढ़ता पर प्रकाश डालते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने कहा, सांत्रा का जीवन एक बहुत सामान्य ढंग से शुरू हुआ था और आज वे अपनी मेहनत के बदौलत इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उनका पूरा जीवन हम लोगों के लिए प्रेरणा है। यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि मैं उन्हें हमारी संस्कृति और सभी वर्गों की सेवा करने के लिए आज सम्मानित कर रहा हूं।

ओसवाल ची माऊली नवरात्रि का पर्व मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व में ओसवाल नगरी स्थित ओसवाल ची माऊली नवरात्रि का उत्सव नौ दिन डांडिया रास और नृत्य के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन सांई अष्टर हौ कोआपरेटिव सोसायटी, ॐ साई मिलन, स्वस्तिक पार्क , साई सांवली के सभी रहवासियों के सहयोग द्वारा किया गया। नवरात्रि के उपलक्ष में मां दुर्गा का पंडाल सजाया गया था जिसमें रात्रि को महारानी के जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी ने माता की आरती की और जोत के दर्शन किए इस धार्मिक कार्यक्रम कार्यक्रम को सफल बनाने का सौभाग्य श्रीमती नसरीन ऋषि दळवी को जाता है। नवरात्रि के अंतिम दिन मां भगवती के 9 स्वरूपों की प्रति कन्याओं का पूजन कर नवरात्र आराधना पुरी की जिसमें 40 कन्याओं का पूजन कर भोजन कराया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक यश कालेकर, प्रतिमा कालेकर, विशाखा शिंदे, नसरीन दळवी, पूनम पांडे, रंजू मिश्रा, प्रतिभा सिंह, मोहिनी शिंदे, नताशा मिस्त्री, हितेश जाधव, अभिषेक सिंह, दीपक चौरसिया, शिवम जयसवाल, यज्ञनेस, श्लोक मौर्या, सत्यम, संकेत, रोनित, कार्तिक, वैभव, अमित, सुशांत सहित कई लोगों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर बच्चों में नोटबुक का वितरण

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा मसाचा पाड़ा धारावी देवी रोड स्थित युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा गरबा नित्य कल का आयोजन किया गया था। जिसमे दशहरा के दिन सैकड़ो की संख्या मे छोटे तथा बड़े बच्चो को उपहार स्वरुप नोट्बूक और लेखन की सामग्री के साथ सम्मान किया गया। युवा शक्ति मित्र मंडल के अध्यक्ष लालबाबू आर शर्मा, उपाध्यक्ष सुनील यादव, सचिव सुरेश कुमार शर्मा, उपसचिव रमेश प्रजापति,कोषाध्यक्ष मनोज कुशवाहा, उपकोषाध्यक्ष अनिल तिवारी तथा सभी कार्यकर्ता के साथ विशेष सहयोग लालबाबू शर्मा के द्वारा दिया गया। इसलिए मंडल के सभी पदाधिकारियों तथा सद्स्यों ने लालबाबू शर्मा का आभार प्रकट किया।

दशहरे के शुभ अवसर पर मंत्री रवींद्र चव्हाण ने महायुति अभियान का नारियल फोड़ा

मुंबई। भले ही विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन सभी पार्टियों के नेता व्यस्त हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने इसमें बाजी मार ली। दशहरे के मौके पर रवींद्र चव्हाण ने सोशल मीडिया पर हाल ही में एक कार्टून शेयर किया है। भगवान राम ने विजयादशमी के दिन रावण को मारा था, इस तथ्य को स्मरण कराने के लिए कि हर साल दशहरे पर रावण जलाने की प्रथा है। इसी प्रथा पर आधारित इस कार्टून के जरिए रवींद्र चव्हाण ने महाविकास अघाड़ी पर निशाना साधा।

इस चित्र में 10 भुजाओं वाली रावण की एक बड़ी मूर्ति दिखाई गई है। इन हाथों पर भ्रष्टाचार, लालसा, भाई-भतीजावाद, वोट जिहाद, नारी शक्ति का विरोध, विकास कार्यों से इनकार, जातिवाद, छत्रपति शिवाजी महाराज का विरोध, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और सावरकर का अपमान जैसे कई मुद्दों को दर्शाया गया है। महायुति आने वाले समय में इन मुद्दों पर महाविकास अघाड़ी को घेर कर दुविधा में फंसाने वाली है। इसके साथ ही सामने भगवा कपड़ा पहने एक शख्स को दिखाया गया है और ऐसा लग रहा है कि वह महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उसके हाथ मे धनुष्य बाण है, ऐसा लग रहा है कि मानो महाराष्ट्र हाथ में धनुष-बाण लेकर महाविकास अघाड़ी के रावण को मारने के लिए तैयार है। इसके साथ ही रवींद्र चव्हाण ने सोशल मीडिया के जरिए महाराष्ट्र के मतदाताओं से एक अपील भी की है। रवींद्र चव्हाण ने कहा है, आइए महाविकास अघाड़ी के निरंतर भारत-विरोधी, हिंदू-विरोधी और जिहादी रावण को दहन करे।

दशहरा के अवसर पर अवनीश सिंह ने वरिष्ठ जनों का लिया आर्शिवाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के वसोर्वा विधानसभा के अवनीश तीर्थराज सिंह मुंबई कांग्रेस महासचिव व उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ कार्याध्यक्ष तथा मुंबई शहर उपनगर तालीम महासंघ के अध्यक्ष ने दशहरा के अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं व वरिष्ठ गानों से मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री सिंह ने कहा कि क्षेत्र में रहने वाले सभी माता एवं बहनों तथा वरिष्ठ गाणों के आशीर्वाद से क्षेत्र के विकास में हर समय सहयोग के लिए तत्पर रहूंगा।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करे मोदी सरकार: मनोज बारोट

वसई रोड। महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने हाल ही में देशी गाय को राज्य माता घोषित किया है. गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा वसई विरार जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने अब केंद्र की मोदी सरकार से गुहार लगाते हुए को गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की है. बारोट का कहना है की, हमारे पौराणिक शास्त्रों के मुताबिक गौ माता में 33 कोटि देवी देवता निवास करते हैं, इसलिए गाय को हिंदू धर्म में पवित्रता और मातृत्व का प्रतीक माना जाता है. इसी प्रकार गाय कई हिंदू देवी देवता से जुड़ी है. विशेषकर इसे भगवान श्री कृष्ण जैसे देवता से जोड़कर एक चरवाहे और गायों के रक्षक के रूप में दर्शाया गया है. इसलिए गायों को दैवीय और प्राकृतिक उपकार का सांसारिक अवतार माना जाता है. इसी कारण गाय को कोई साधारण प्राणी या जानवर नहीं बल्कि दिव्य प्राणी माना जाता हैं और इसी वजह से हिंदू धर्म में गाय को गौमाता या सभी की माँ के रूप में माना जाता है. शास्त्रों में बताया गया है की, गाय के दूध, मूत्र (गोमूत्र) और गोबर में शुद्धिकरण के गुण होते हैं. इसलिए गाय हिंदू त्योहारों और अनुष्ठानों का एक अभिन्न अंग माना जाता हैं. हिंदू अनुष्ठानों और कई समारोहों में गायों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. गौ माता को हिंदू और सनातन संस्कृति में आस्था का प्रतीक माना जाता है. इसलिए कई सनातनी लोग गौ माता का आशीर्वाद पाने के लिए उन्हें उपहार तक भी देते हैं और इसी कारण हमारे संत महंत भी सभी धार्मिक कार्यक्रम में हमेशा गौ हत्या बंदी को लेकर आवाज उठाते आए है. इसलिए ऐसे अधर्मी लोगो पर अंकुश लगाने, गौ तस्करी और हत्या को रोकने के लिए गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग बारोट ने इस प्रेसनोट के माध्यम से केंद की मोदी सरकार से की है. बारोट ने यह भी स्पष्ट किया है की गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए वसई तालुका की सभी सनातनी संस्थाओं का संपर्क कर स्वक्षरी अभियान चलाया जाएगा और आज विजया दशमी के दिन वसई तालुका से उठी यह मांग संपूर्ण देश में एक जन अभियान का रूप धारण करेगी ऐसा विश्वास भी बारोट ने व्यक्त किया है.

ब्रिटानिया के सशक्त दूध खरीद एवं समर्थन प्रोग्राम का उपयोग करेगी

मुंबई। भारत के प्रमुख चीज प्लेयर ब्रिटानिया बेल फूड्स ने महत्वाकांक्षी संयुक्त उद्यम स्थापित करने के तकरीबन दो वर्ष बाद आज अपने विकास में उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की है। कंपनी ने भारत में चीज फैक्टरी का उद्घाटन किया, जहां ब्रिटानिया द लाफिंग काओ प्रोडक्ट्स का उत्पादन स्थानीय रूप से किया जाएगा। कंपनी का यह कदम भारतीय उपभोक्ताओं को स्थानीय रूप से निर्मित सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के उत्पाद उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भारत में दूध के उत्पादन की बात करें तो इस दृष्टि से महाराष्ट्र अग्रणी राज्य है, जहां का डेयरी सिस्टम अपने आप में परिपक्व है। ऐसे में यह चीज फैक्टरी की लोकेशन के लिए सही चुनाव है, जिसकी स्थापना रंजनगांव के ब्रिटानिया डेयरी फूड पार्क में की जाएगी।

स्थापित मां दुर्गा के पंडाल में तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा हुआ संपन्न

- तारकेश्वर पांडे

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान महाराजगंज ग्राम कॉपिया जागीर वार्ड क्रमांक 8 में मां काली के प्रांगण में नवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा किया गया। जिसमें भक्तों को प्रेम प्रदान करने के लिए, अपनी मधुरी वाणी से पंडित अमित कृष्णा तिवारी व्यास महाराज के प्रवचन ने लोगों को मन मोह लिया। जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित कर दिया। धर्म युक्त विकास और सफलता के बारे में भी प्रेरित किया है। अर्थात प्रवचन के रसपान लेते हुए,समाज सेवी बाबा महेंद्रनाथ सेवा मंच के सह संयोजक आत्मा कुमार सिंह ने पूजा समिति के सदस्यों को प्रसंशा करते हुए कहा की गांव में पहली बार भागवत ज्ञान को बाटवाने के लिए महाराज जी को आमंत्रित कर आप सभी ने सराहनीय कार्य किया है साथ ही पूजा समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद वो शुभकामना एवं बधाई दिया। उन्होंने कहा कि व्यास जी महाराज के वचनों से प्राप्त ज्ञान को हम अपने जीवन में उतार लें तो हमारी सारी कठिनाइयां दूर हो सकती है। और हम सफलता की ओर आगे बढ़ सकते हैं। महाराज जी ने अपने प्रवचन में जिस तरह बताया हम अपने धर्म और संस्कृति को अच्छे से अनुसरण कर लें और उसी मार्ग पर चलते हुए कार्य करें तो भी हमारे जीवन सुखी सुखमय हो जाएगा। हमारा देश जिस प्रकार आगे बढ़ रहा है। उसी प्रकार आगे बढ़ता जाएगा उन्होंने ने सनातन धर्म को दुनियां का सब से प्राचीन धर्म बताया और सनातन के महत्व को समझाया। इस अवसर पर समिति वो ग्रामीण वासियों का भरपूर योगदान रहा, कार्यकर्ता चंचल सिंह, आत्मा सिंह, तारकेश्वर सिंह, नवीन सिंह, रजनीश सिंह, विनोद सिंह, सोल्डी सिंह, मंजय सिंह, मधुसूदन सिंह, शशिकांत तिवारी, राजा सिंह, निखिल सिंह, जय सिंह, बिरजा सिंह, राकेश सिंह गोपाल सिंह, अर्थात सभी ग्राम वासियों के सहयोग से नवरात्रि मां जगदंबा की भक्ति कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया।

विजयादशमी पथ संचलन और शस्त्र पूजन उत्सव का आयोजन

डोबिंवली, कल्याण । विजय दशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) द्वारा आयोजित विजयादशमी पथ संचलन और शस्त्र पूजन उत्सव का भव्य सफल आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में संघ के कार्यकर्ताओं के साथ समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिला। गणेश घाट, लोढ़ा हेवन, पलावा में आयोजित इस उत्सव ने हिंदू समाज में पौरुष, पराक्रम और एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 7:30 बजे पथ संचलन से हुई, जिसमें संघ के स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित ढंग से मार्च किया। इसके बाद सुबह 9:00 बजे शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया, जिसे वीरता और संगठन की

भावना का प्रतीक माना जाता है। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दिनेश पटेल जिला कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कल्याण जिला ने संघ के इतिहास और उसकी विचारधारा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का पर्व न केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है, बल्कि यह समाज को संगठित करने और सज्जन शक्ति को जागृत करने का भी अवसर है। प्रमुख अतिथि डॉ. महेन्द्र बांगर, बालरोग विशेषज्ञ ने भी अपने उद्बोधन में संघ की राष्ट्रसेवा और समाज निर्माण के कार्यों की सराहना की और युवाओं को प्रेरित किया कि वे संघ के सिद्धांतों को आत्मसात करें और समाज के कल्याण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने संघ की राष्ट्रसेवा की 99 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और 2025 में संघ के शताब्दी वर्ष में प्रवेश को लेकर गर्व का अनुभव किया। यह उत्सव पूरे हर्षोल्लास और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ और उपस्थित लोगों ने इस आयोजन के लिए संघ की सराहना की।

वाराणसी के पांडेपुर गोकुलगंज में भोजपुरी जगत के सुपरस्टार दादा दुर्गेश राइटर का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर समर सिंह, लाडो मद्धेशिया, अर्जुन लाल यादव, प्रमोद प्रेमी यादव, नीलू राज, नीलम, अर्चना सिंह, कविता यादव, ममता मौर्य, राकेश मेहरा, जानू, दिनेश लाल यादव आदि भोजपुरी कलाकार ने मिलकर दुर्गेश को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। दुर्गेश लेखक ने अपनी लेखनी से बहुत से कलाकारों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया है। छाया: उत्तरशक्ति

जिनके हाथों से तिरंगा न संभाला जाए ऐसे नेताओं को संसद से निकाला जाए

-इस वर्ष का निराला पुरस्कार लखनऊ के कवि वेदव्रत वाजपेई को

मुंबई। देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था साहित्य कला मंच द्वारा आयोजित पैंतालीसवां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन पाटकर सभागृह, न्यू मरीन लाइंस, चर्चगेट मुंबई में सम्पन्न हुआ। संस्था के चेयरमैन उदेश अग्रवाल, कार्याध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, महामंत्री विनय मिश्रा, ट्रस्टी दीपक बूबना, पवन शर्मा,उपाध्यक्ष एड.त्रयंबक तिवारी ने आगंतुक मेहमानों का स्मृति चिन्ह और दुशाला देकर सम्मान किया। कवि सम्मेलन के संयोजक विश्वनाथ भरतिया ने कवियों का स्वागत किया। कवि सम्मेलन का सफल संचालन हास्य कवि सुरेश मिश्र ने किया।कवि सम्मेलन की शुरूआत भोपाल से पधारी अनु सपन की सरस्वती वंदना से हुई। हाशिम फिरोजाबादी की कविता 'जिनके हाथों से तिरंगा न संभाला जाए, उन नेताओं को संसद से निकाला जाए ' सुनकर श्रोताओं ने खड़े होकर तालियां बजाईं। तेज नारायण शर्मा के हास्य व्यंग, अनु सपन के मुक्तकों और गीतों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस वर्ष मंच द्वारा दिया जाने वाला प्रतिष्ठित 'निराला पुरस्कार' लखनऊ के वरिष्ठ कवि वेदव्रत वाजपेई को पूर्व मंत्री राजपुरोहित और अन्य कई प्रमुख हस्तियों ने प्रदान किया। वेदव्रत वाजपेई ने अपनी राष्ट्रभक्ति की कविताओं से तालियों का महोत्सव करवा दिया। इस अवसर पर साहित्य कला मंच की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में कान बिहारी अग्रवाल, बृज बिहारी अग्रवाल, सहित अनेक उद्योगपति , समाजसेवी , पत्रकार, शिक्षानुरागी लोग भी उपस्थित थे। स्वागत समारोह का संचालन विनय मिश्र ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में रामलीला के भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान एवं व्यास जी का अभिषेक किया गया।

अरविंद लहाने के सेवानिवृत्ति अवसर पर गांव में ग्रामीणों द्वारा भव्य सम्मान

ठाणे। ठाणे में अपने करियर की शुरूआत करने वाले अरविंद लहाने का सेवानिवृत्ति के अवसर पर गांव में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भव्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बचपन से ही गांव से बाहर निकलकर उन्होंने ठाणे में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए संघर्षपूर्ण जीवन की शुरूआत की, लेकिन अपनी मेहनत और जिद के बल पर सभी कठिनाइयों को पार करते हुए सफलता हासिल की।

ठाणे के प्रसिद्ध मामलेदार कैंटीन में उन्होंने सबसे पहले एक साधारण नौकरी से अपने सफर की शुरूआत की। लेकिन अपनी कुशलता, मेहनत और ईमानदारी से उन्होंने खुद को मामलेदार मिसळ के प्रमुख कारीगर के रूप में स्थापित किया। उनके उत्कृष्ट काम और गुणवत्ता को बनाए रखने के कारण, मामलेदार मिसळ ठाणे ही नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र में एक लोकप्रिय ब्रांड बन गया। उनकी निष्ठावान सेवा के सम्मान में मामलेदार मिसळ के मालिक लक्ष्मण शेट और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका विशेष रूप से सम्मान किया। अरविंद लहाने ने सिर्फ अपना ही विकास नहीं किया, बल्कि उस दौर में कई लोगों को मामलेदार में नौकरी दिलाने का भी कार्य किया। गरीबी से संघर्ष करते हुए उन्होंने जो सफलता हासिल की, उसकी वजह से उनके काम की गांव में विशेष सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में, ग्रामीणों ने उनके आगे के जीवन की सुख, शांति और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।